राहुल ने अभिषेक का जाना... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अंतरात्मा की आवाज पर चुना... 11

वर्ष - 02, अंक - 58 | गाजियाबाद / सोमवार 01 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

- बकरीद के दिन मारा था, पुलिस ने भागते वक्त मारी गोली

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का ईनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है। आओ, दिखाते हैं। इसका सीसीटीवी भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए।

आप 'आम' नहीं बल्कि बहुत खास हैं

- पीएम ने की 'मन की बात' में आम उत्पादक किसानों की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशभर के आम उत्पादक किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम और समर्पण की बदौलत फलों का राजा आम हर साल लाखों परिवारों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में गर्मियों का मौसम आते ही आम की चर्चा हर घर में शुरू हो जाती है और शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आम को लेकर उत्साह न हो। उन्होंने कहा कि हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद और अपनी खुशबू होती है।

लंगड़ा आम की खासियत का किया जिक्र

पीएम मोदी ने लंगड़ा आम की खासियत का भी जिक्र करते हुए कहा कि पकने के बाद भी इसका रंग कई बार हरा ही रहता है। उन्होंने बिहार के जर्दालु आम की सुगंध की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी खुशबू दूर से ही पहचान में आ जाती है। इसके अलावा उन्होंने चौसा और मालदा जैसी प्रसिद्ध किस्मों का भी उल्लेख किया।

अब खदानों में सीधे कोयले से बनेगी गैस

बचेंगे देश के अरबों डॉलर, बड़ा प्लान है तैयार

धनबाद (एजेंसी)। कोयला उद्योग देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव की ओर कदम बढ़ा चुका है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और उससे पैदा हुई ऊर्जा चुनौतियों से

- पश्चिम एशिया संकट के बीच राहत की खबर

निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक गेमचेंजर योजना को हरी झंडी दे दी है। इस योजना के तहत अब देश की उन खदानों से गैस निकाली जाएगी, जहां कोयला अत्यधिक गहराई में जा चुका है और पारंपरिक तरीके से उसका खनन बेहद खर्चीला और मुश्किल हो गया है। ऐसी खदानों में अब कोयले को सीधे जलाने के बजाय उसे कोल गैसीफिकेशन (कोयला गैसीकरण) तकनीक के जरिए सीधे गैस में बदला जाएगा।

50 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

अनुमान के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स के शुरू होने से करीब 50,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वर्तमान में भारत अपनी जरूरतों के लिए विदेशों पर अत्यधिक निर्भर है। इस प्रोजेक्ट के सफल होने से इस निर्भरता में भारी कमी आएगी। देश में फर्टिलाइजर और केमिकल उद्योग के लिए ये सभी उत्पाद बेहद जरूरी हैं। घरेलू कोयले से गैस और ईंधन बनने के बाद भारत को महंगे आयात से मुक्ति मिलेगी, जिससे देश का राजकोषीय घाटा कम होगा और भारतीय रुपया मजबूत होगा।

वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन गैसीकरण का लक्ष्य

इस परियोजना के तहत सरकार ने साल 2030 तक 100 मिलियन टन कोयले के गैसीकरण का कड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में भारत में कोयले का सबसे अधिक उपयोग सीधे बिजली उत्पादन (थर्मल पावर) में होता है लेकिन इस नई तकनीक के माध्यम से कोयले से जो गैस बनेगी, उसका उपयोग मेथेनॉल, अमोनिया, आवश्यक रसायनों और फर्टिलाइजर बनाने में किया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में कोयले की मांग में भी भारी इजाफा होगा। इस क्रांतिकारी कदम से न सिर्फ भारत की विदेशी देशों पर निर्भरता कम होगी, बल्कि रोजगार सृजन भी होगा।

ट्रम्प की बेटी टिफिनी पति के साथ जैसलमेर पहुंचीं

काफिले के साथ पहुंचीं, 2 लाख प्रतिदिन किराए वाले विला में रुकीं

जैसलमेर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की छोटी बेटी टिफनी ट्रम्प पति माइकल बोलोस के साथ रविवार सुबह करीब 10.51 बजे विशेष विमान से जैसलमेर पहुंचीं। वे विश्व प्रसिद्ध सोनार किला (जैसलमेर फोर्ट), पटवों की हवेली और खूबसूरत गड़ीसर लेक सहित जैसलमेर के प्रमुख पर्यटन स्थल देखने जाएंगी। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सूर्यगढ़ होटल में रुके हैं। जिस विला में वे रुके हैं, वह होटल का सबसे महंगा है। उसका किराया करीब 2 लाख रुपए प्रतिदिन बताया जा रहा है। इस विला में तीन कमरे और स्विमिंग पूल है। टिफनी ट्रम्प दिल्ली से जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट पहुंचीं। जैसलमेर एयरपोर्ट पर पुलिस, विशेष सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात किए गए। एयरपोर्ट के बाहर एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' भी तैनात किया गया था।

- एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था में एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' तैनात

होटल में राजस्थानी डांस से स्वागत

टिफनी ट्रम्प के सूर्यगढ़ होटल पहुंचने पर लोक कलाकारों ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में घूमर सहित कई डांस परफॉर्मेंस दी। पारंपरिक वाद्य यंत्रों (इंस्ट्रूमेंट्स) की धुन पर लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। स्वागत के लिए ऊंटों को विशेष रूप से राजस्थानी अंदाज में सजाया गया था। रंग-बिरंगे कपड़ों, कढ़ाईदार सजावटी सामान और पारंपरिक ज्वेलरी से सजे ऊंट आकर्षण का केंद्र रहे। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सोमवार शाम 4 बजे जैसलमेर से लौटेंगे।

सीबीएसई छात्र वेदांत से मिले राहुल गांधी

'राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंट्स' कहे जाने पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई के छात्रों से मुलाकात की और हाल ही में रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर चर्चा की। राहुल गांधी ने इस विवाद के केंद्र में रहे छात्र वेदांत से भी मुलाकात की। इस दौरान छात्रों ने राहुल गांधी से अपनी समस्याओं को लेकर खुलकर बात रखी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया तो किस तरह उन्हें ट्रोल किया गया। उन्हें देशद्रोही और देश का दुश्मन तक बताया गया। छात्रों के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, मेरे साथी राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों के साथ एक खुलासा करने वाली बातचीत। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि वेदांत और उनके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं।

छात्र बोले- हमें देशद्रोही-पाकिस्तानी कहा गया

वीडियो में छात्र बताते हैं कि लोगों ने मुझे देशद्रोही, पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट तक कह दिया। एक छात्र वेदांत ने बताया कि जब मैंने अपनी फिजिक्स की उत्तर पुस्तिका देखी, तो मुझे लगा कि मेरा पेपर अच्छा हुआ था लेकिन नंबर अच्छे नहीं मिले। मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका मांगी लेकिन मुझे पता चला कि यह मेरी कॉपी ही नहीं है। छात्र वेदांत ने बताया कि इसके बाद मैंने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उठाया। उसे लोगों का समर्थन मिला लेकिन जब बड़ी संख्या में लोगों ने उसका समर्थन किया, तो कुछ लोगों को लगा कि वे डीप स्टेट एजेंट हैं और भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। वे उन्हें सोरोस का एजेंट कहने लगे।

राहुल गांधी ने पूछा- कैसे बीच में सोरोस आ गया

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि बीच में सोरोस आ गया, पाकिस्तान भी आ गया, हर कोई आ गया। यह तो पागलपन है। तुम लोगों ने कुछ किया भी नहीं। तुम छात्र हो और सिर्फ अपनी उत्तर पुस्तिका मांग रहे हो, फिर भी तुम्हें देशद्रोही कहा जा रहा है। समस्या को समझने और उसे दूर करने के बजाय छात्रों को देशद्रोही बताया जा रहा है।

कल्याण बनर्जी का आरोप, बीजेपी समर्थकों ने किया हमला

सिर पर पत्थर मारा, कहा-निरंकुश सीएम अपने विरोधियों को खत्म करना चाहता है

हुगली (एजेंसी)। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन के बाहर बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। बनर्जी हुगली में विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए चंडीतला पुलिस स्टेशन गए थे, जहां भीड़ ने उन्हें घेर लिया। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया, जिसमें कल्याण बनर्जी पहले पुलिस स्टेशन के बाहर नारे लगाते दिखे। बाद में वे सिर पकड़कर जमीन पर लेटते नजर आए।

कल्याण बोले- बंगाल में कानून-व्यवस्था खत्म

TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने बताया, मैं चंडीतला पुलिस स्टेशन के इंचार्ज को ज्ञापन देने के लिए कार से जा रहा था। बाजार में ट्रैफिक जाम था। इसके चलते मैं अपने पीए के साथ चंडीतला क्रॉसिंग पर पैदल जा रहा था। यह जगह पुलिस स्टेशन से 50 किलोमीटर दूर है। यहां भगवा कपड़े पहने 10-15 बीजेपी के गुंडे थे, जिन्होंने अचानक नारे लगाने शुरू कर दिए। वे मुझे गालियां दे रहे थे, लेकिन मैं आगे बढ़ रहा था, तभी मेरी तरफ पत्थर फेंका गया। मेरे कपड़ों पर खून लग गया।

बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

- स्थानीय लोगों जताई खुशी, कहा- अब चैन से सो सकेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95 फीसदी लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है।

स्थानीय बोले- शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे

स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब विवाद न हुआ हो।

वृंदावन की गलियां श्रद्धालुओं से जाम, 5 लाख पहुंचे

- प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में कई किलोमीटर लंबी लाइन

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में रविवार को सुबह छह बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर गोवर्धन में आस्था का सैलाब उमड़ा है। 21 किलोमीटर लंबा परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओ से पूरी तरह भर गया है। पूरा परिक्रमा मार्ग गिरिराज महाराज की जय के जयकारे से गूंज रहा। देश-विदेश से पहुंचे भक्त गिरिराज जी की परिक्रमा के साथ ब्रज 84 कोस और वृंदावन की परिक्रमा भी कर रहे हैं। अनुमान है कि रविवार को 5 लाख से अधिक भीड़ बिहारीजी के दर्शन को पहुंची है। पिछले 24 घंटे में 10 लाख से ज्यादा भक्त गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए पहुंचे। भीड़ के पहुंचने का आलम यह कि बसों की छतों पर लोग बैठकर पहुंच रहे हैं। वृंदावन की सड़कें, गलियां श्रद्धालुओं से जाम हो गई हैं।

बसों की छतों पर बैठकर पहुंचे श्रद्धालु

मथुरा से गोवर्धन आने वाले मार्गों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। सीट नहीं मिलने पर कई श्रद्धालु बसों की छतों पर बैठकर यात्रा करते नजर आए। ट्रैफिक पुलिस ने कई स्थानों पर कार्रवाई कर यात्रियों को नीचे उतारा, लेकिन भीड़ और उत्साह के कारण कुछ लोग पुलिस की नजर बचाकर दोबारा छतों पर चढ़ गए। परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही का खामियाजा श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है। शनिवार को वृंदावन में हुए दो अलग-अलग हादसों में एक महिला और एक युवक घायल हो गए। बताया गया कि नशे की हालत में वाहन चला रहे एक युवक ने दंडवती परिक्रमा कर रही महिला को टक्कर मार दी।

मंदिरों में दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें

परिक्रमा मार्ग के अलावा गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद, मानसी गंगा, जतीपुरा समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज को दूध और जल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि परिक्रमा मार्ग पर बेकाबू तरीके से दौड़ रहे ई-रिक्शा सबसे बड़ी परेशानी बन गए हैं।

इजराइल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा

सैनिकों ने पहाड़ी पर झंडा फहराया, 26 साल में सबसे बड़ी घुसपैठ

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया है। इजराइली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजराइली झंडे लहराते दिखाई दिए। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। अल जजीरा के मुताबिक पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है।

ट्रम्प बोले- जानबूझकर ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं लिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, लोग यह सुनकर हैरान होंगे कि हमने ईरानी सेना को क्यों छोड़ा और उसके साथ इतनी नरमी क्यों बरती। ट्रम्प के मुताबिक, ईरानी सेना को देश की अन्य सरकारी संस्थाओं की तुलना में थोड़ी नरम है।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

-होटल प्रबंधन ने पुलिस को दी थी सूचना

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ साइट सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी। जब देर रात तक भी पर्यटक वापस होटल नहीं लौटे और होटल प्रबंधन का उनसे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने होटल प्रबंधन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल लोकेशन और रास्तों की कड़ियों को जोड़ते हुए तलाश शुरू की, जिसके बाद इस भीषण हादसे का पता चला।

गुरुग्राम की ओम साईंराम फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का माल स्वाहा

गुरुगांव (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में मुशदपुर-खुरमपुर गांव के पास स्थित ओम साईराम फैक्ट्री में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1:40 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठती आग की गगनचुंबी लपटों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। राहत की बात यह है कि रात का समय होने के कारण फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को रात 1:40 बजे इस हादसे की सूचना मिली। शुरुआत में पटौदी फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुँची, लेकिन हालात बेकाबू देखकर तुरंत अन्य फायर स्टेशनों से अतिरिक्त मदद मांगी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मानेसर, भीम नगर, सेक्टर-37 और सेक्टर-29 सहित कुल छह फायर स्टेशनों से 8 फायर टेंडरों (गाड़ियों) को काम पर लगाया गया। फायर कर्मियों ने फैक्ट्री को चारों तरफ से घेरकर घंटों तक पानी की बौछारें कीं, लेकिन रविवार सुबह तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा माना जा रहा है। इस भीषण अग्निकांड में फैक्ट्री की इमारत के साथ-साथ भीतर रखा कीमती कच्चा माल, तैयार उत्पाद और मशीनें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं। आशंका है कि इस हादसे में करोड़ों रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने और कूलिंग का काम संपन्न होने के बाद फैक्ट्री के भीतर सर्च अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं और फैक्ट्री मालिक से सुरक्षा मानकों व एनओसी से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप, जानमाल सुरक्षित

ईस्ट गैरो हिल्स (एजेंसी)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया। सुबह 6:50 बजे आए इन झटकों से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स में 10 किलोमीटर की गहराई में था, जो चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में स्थित था। चूंकि इसकी तीव्रता कम और गहराई उथली थी, इसलिए इसका प्रभाव सीमित रहा और स्थानीय लोगों ने मामूली कंपन ही महसूस किया। किसी भी क्षति या हानि की कोई रिपोर्ट नहीं है। इससे कुछ घंटे पहले एनसीएस ने ताजिकिस्तान में 5.2 तीव्रता का मध्यम भूकंप भी दर्ज किया था, जिसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर उत्तर-पूर्वी भारत, सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है। यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण अक्सर कंपन महसूस करता है। मेघालय में 1897 में आया 8.1 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत ढही, एक की मौत, आठ घायल

- दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके का मामला, इमारत में चल रहे थे कोचिंग संस्थान और कैफे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां सैदुलजाब के वेस्टर्न मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इस दर्दनाक घटना में 26 वर्षीय एक युवक की जान चली गई, जबकि आठ अन्य लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, यह हादसा शनिवार देर शाम को हुआ, जब एक व्यस्त व्यावसायिक भवन ढह गया। इस इमारत में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कई कार्यालय संचालित हो रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय इसकी ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी था, जिससे इमारत की संरचनात्मक अखंडता प्रभावित हुई हो सकती है। इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसका मलबा पास में स्थित टिन शेड वाली कैंटीन पर जा गिरा, जहां मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अक्सर आते-जाते थे। मृतक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में गुरुग्राम निवासी तरुण कुमार (26), बिहार के मोतिहारी निवासी साइका खान (27) और सैदुलजाब निवासी नीलम यादव (25) सहित आठ अन्य लोग शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित विभिन्न एजेंसियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिलकर व्यापक बचाव अभियान चलाया और सभी घायलों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

-बच्चों से मुलाकात का वीडियो किया साझा और बोले— सवाल पूछने वाले छात्रों को जवाब की जगह अपमान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया।

साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी।

वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने 'देशद्रोही' और 'सोरोस एजेंट' कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें 'एंटी नेशनल' या 'डीप स्टेट एजेंट' जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हालांकि, राहुल गांधी ने अभी केवल बातचीत का एक अंश ही साझा किया है और पूरी चर्चा सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों की पारदर्शिता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक, 3-4 जून तक पहुंच सकता है केरल-तमिलनाडु

- व्यापक बारिश के साथ तापमान में कमी की संभावना, कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी

चेन्नई (एजेंसी)। । क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के ताजा अनुमान के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून 3 या 4 जून तक केरल, तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में दस्तक दे सकता है। इसके आगमन से दक्षिणी राज्यों में व्यापक बारिश होने और धीरे-धीरे तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून पहले ही 30 मई तक अरब सागर, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन से चार दिनों में इसके और प्रगति करने के लिए मौसमी परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, 1 जून तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। शनिवार को चेन्नई में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा और तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। विभाग ने अनुमान जताया है कि 2 जून से मानसूनी गतिविधियों के बढ़ने के साथ तापमान सामान्य स्तर पर लौटने लगेगा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, डिंडीगुल, थेनी, करूर, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल, इरोड, सलेम समेत तमिलनाडु के कई पश्चिमी और दक्षिणी जिलों तथा पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की भी संभावना है। 1 और 2 जून को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है, खासकर थेनी और तेनकासी जैसे जिलों में। शनिवार को तिरुनेलवेली जिले के ऊथू और नालुमुक्कू, इरोड के अम्मापेट्टई और कोयंबटूर के थोलमपालायम में सबसे अधिक 7 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो मानसून पूर्व अच्छी गतिविधि का संकेत है।

सम्राट सरकार को रोहिणी की चुनौती, अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए

पटना,(एजेंसी)। पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर आवास को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार द्वारा 15 दिनों में बंगला खाली करने के आदेश के बाद राबड़ी और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने बिहार सरकार को सीधी चुनौती दी है। रोहिणी आचार्य ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध, सत्ता के अहंकार बताया।

खुद राबड़ी देवी ने साफ कहा था कि वह घर खाली नहीं करेंगी, और सरकार चाहे, तब उन्हें बलपूर्वक बेदखल कर सकती है। गौरतलब है कि वे एक दशक से अधिक समय से इस आवास में रह रही हैं, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते पिछली नीतीश कुमार सरकार ने उन्हें आवंटित किया था।

यह सरकारी बंगला वर्तमान में दुग्ध एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। भवन निर्माण विभाग की मंत्री और जद (यू) की वरिष्ठ नेता लेशी सिंह ने विवाद पर कहा कि बंगलों का आवंटन सरकार का विशेषाधिकार है और कोई भी व्यक्ति किसी बंगले पर अपना अधिकार नहीं जता सकता। उन्होंने राबड़ी देवी को विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित 39 आवास में स्थानांतरित होने की सलाह दी। वहीं, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री से मां समान राबड़ी देवी का अपमान न करने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री चौधरी को अहंकार छोड़कर बदले की राजनीति से बचने और आवंटित मंत्री को कोई दूसरा आवास देने का सुझाव दिया। इस तरह, राबड़ी आवास का यह विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदलता दिख रहा है।

इसरो के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम में अनुष्का गौतम का शानदार प्रदर्शन, दिल्ली में हासिल किया प्रथम स्थान

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। केंद्रीय विद्यालय सेक्टर- 8, आर.के. पुरम, नई दिल्ली की छात्रा अनुष्का गौतम ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (युविका) 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दिल्ली का नाम रोशन किया है। अनुष्का ने दिल्ली से चयनित विद्यार्थियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

युविका (यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम) इसरो की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में कम आयु से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है। कैच देम यंग की अवधारणा पर आधारित यह पूर्णतः वित्तपोषित दो सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम देशभर के मेधावी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से परिचित कराता है।

अनुष्का गौतम ने जोधपुर स्थित रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (आरआरएससी) वेस्ट, इसरो में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। वह इस केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रथम बैच की सदस्य रहीं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें रॉकेट प्रणोदन, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, एरोनॉटिक्स तथा अन्य वैज्ञानिक विषयों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने रोवर, लैंडर और रॉकेट के मॉडल भी तैयार किए।

कार्यक्रम के दौरान अनुष्का द्वारा निर्मित मॉडल रॉकेट का सफल प्रक्षेपण किया गया। यह रॉकेट लगभग 10 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचा और करीब 300 मीटर की दूरी तय करने में सफल रहा। इसके अलावा उन्होंने खगोल अवलोकन सत्र में भाग लेते हुए उर्सा मेजर, बी हाइव सहित विभिन्न तारामंडलों और नक्षत्रों की पहचान की तथा दूरबीन से बृहस्पति और शुक्र ग्रह का अवलोकन भी किया।

युविका कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक जियोस्पेशियल चैलेंजेस प्रतियोगिता में अनुष्का को उनकी टीम का नेतृत्व सौंपा गया। उनके नेतृत्व और उत्कृष्ट टीम समन्वय के बल पर टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही अनुष्का ने स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी क्विज प्रतियोगिता में भी विजेता बनकर दोहरी सफलता अर्जित की।

अपने अनुभव साझा करते हुए अनुष्का ने कहा कि इसरो केंद्र में जूनियर वैज्ञानिक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करना उनके लिए सपने के साकार होने जैसा था। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम ने उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए नई प्रेरणा दी है।

अनुष्का ने अपनी उपलब्धि का श्रेय केवी दिल्ली क्षेत्र के उपायुक्त वरुण मित्र, सहायक आयुक्त घनश्याम पांडेय, केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 8, आर.के. पुरम के प्राचार्य रबीन्द्र कुमार तथा विद्यालय की पूरी शिक्षकीय टीम को दिया। उन्होंने कहा कि सभी के मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और सहयोग ने उन्हें इस राष्ट्रीय उपलब्धि तक पहुंचने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की।

अनुष्का गौतम की यह उपलब्धि न केवल उनके विद्यालय और परिवार के लिए गौरव का विषय है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है, जो विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

राहुल ने अभिषेक का जाना हाल कहा- हैदराबाद में करा सकते हैं इलाज

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार देर रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें स्ट्रेचर के जरिए उनके घर ले जाया गया। हालांकि, घर पहुंचने के बाद अभिषेक के सीढ़ियां चढ़ने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को लगातार धमकियां दी जा रही थीं। वहीं दूसरी तरफ इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत की। ममता ने बताया कि राहुल गांधी ने फोन कर अभिषेक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और कहा कि यदि किसी भी तरह की जरूरत पड़े, तो उन्हें सूचित करें। उन्होंने अभिषेक के लिए हैदराबाद में बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने की पेशकश भी की।

मिंटो पार्क स्थित अस्पताल के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अभिषेक का इलाज अब घर पर ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास एक पारिवारिक डॉक्टर हैं, जो घर पर ही इलाज की व्यवस्था संभालेंगे। अस्पताल को धमकियां मिलने के कारण वे सुचारू रूप से इलाज नहीं कर पा रहे थे। अभिषेक को सलाइन दी जा चुकी है और अब उनका आगे का उपचार घर पर ही जारी रहेगा। उन्होंने घटना की गंभीरता को रेखांकित करते हुए दावा किया कि जिस प्रकार की हिंसा और पत्थरबाजी हुई, उससे अभिषेक बनर्जी की जान भी जा सकती थी।

इस घटना को अत्यंत बर्बर करार देते हुए ममता ने कहा कि राज्य की राजनीति में ऐसा हिंसक व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि सीपीएम 34 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने भी कभी ऐसा कदम नहीं उठाया। आज जो कुछ भी हुआ, वह बेहद अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों, डॉक्टरों और आम लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है, जिसका जवाब राज्य की जनता ही देगी। उन्होंने कहा कि अभिषेक आज केवल जनता की शुभकामनाओं और समर्थन की वजह से सुरक्षित हैं। इस घटना के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने अब राजनीतिक आंदोलन तेज करने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ता रविवार से ही विभिन्न विरोध कार्यक्रम शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दो तारीख से बड़े पैमाने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रानी रश्मोनी एवेन्यू सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल पार्टी नेताओं का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

मुंबई जाने की तैयारी में था यात्री, वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की गई, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कारतूस उसके बैग में कैसे पहुंचे और उन्हें मुंबई ले जाने का उसका क्या उद्देश्य था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा बरामद कारतूस और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती के बैग से मिला कारतूस का खोखा

इसी दिन एयरपोर्ट पर एक अन्य घटना भी सामने आई। सुरक्षा जांच के दौरान एक युवती के बैग से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। युवती ने दावा किया कि उसे यह खोखा रास्ते में पड़ा मिला था और जिज्ञासावश उसने उसे उठाकर अपने बैग में रख लिया था। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इन घटनाओं के बीच कोई संबंध तो नहीं है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

-मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम

-45 दिनों में 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को देने का लक्ष्य

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है।

ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास

ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है। इनमें 18 किलोमीटर हिस्से में फेंसिंग और नौ किलोमीटर क्षेत्र में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित किए जाने की योजना है। फिलहाल जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों में काम शुरू किया गया है।

जमीन उपलब्ध कराने में मुर्शिदाबाद सबसे आगे

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद जिले में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। राज्य सरकार ने अगले 45 दिनों के भीतर कुल 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है, ताकि सीमा पर कंटीले तारों की बाड़, चौकियां और अन्य सुरक्षा ढांचे विकसित किए जा सकें।

मुख्यमंत्री राहत कोष से सूर्या चौहान के परिवार को मिली 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के सदस्य को मिलेगा रोजगार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। खोड़ा कॉलोनी निवासी श्रीमती सरोज, पत्नी कौशलेन्द्र सिंह चौहान, को उनके पुत्र सूर्या चौहान के 28 मई 2026 को हुए निधन के बाद मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सहायता जिलाधिकारी की संस्तुति पर परिवार के भरण पोषण हेतु प्रदान की गई है। जिलाधिकारी गाजियाबाद रविंद्र कुमार मॉदड़ ने बताया कि पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि स्वीकृत कराई गई है। इसके अलावा परिवार के एक सदस्य को नगर पालिका के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे परिवार के भरण-पोषण में सहायता मिल सके।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ा है और हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद सहायता राशि लाभार्थी को प्रदान की जाएगी। पीड़ित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे अतुल गर्ग, सुनील कुमार शर्मा, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़, एसडीएम अरुण दीक्षित, चेयरमैन रीना भाटी सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर हवन भंडारे का आयोजन, लोकमाता के योगदान को किया याद

शामली (शिखर समाचार)। ग्राम शिवनगर बीबीपुर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने लोकमाता के समाज, धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अनेक ऐतिहासिक कार्य कराए। उन्होंने वर्ष 1780 में काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। इसके अलावा चारधाम यात्रा मार्गों पर धर्मशालाएं, घाट और कुएं बनवाए तथा नर्मदा नदी के तट पर महेश्वर में भव्य घाटों, किलों और मंदिरों का निर्माण कराया। उनके शासनकाल में धर्म, संस्कृति, कला और समाज का व्यापक विकास हुआ, जिसके कारण उन्हें पुण्यश्लोक और लोकमाता जैसी सम्मानित उपाधियों से विभूषित किया गया। जयंती समारोह के दौरान श्रद्धालुओं को शीतल जल वितरित किया गया तथा कढ़ी चावल के भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पाल समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर लोकमाता के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ऑल इंडिया धनगर महासभा के राष्ट्रीय सचिव शेखर पाल, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश पाल, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी सनी पाल, समाजसेवी रमेश पाल, जयवीर सिंह पाल, अंकुश पाल, मोनू पाल, शौकीन पाल, डॉ. दिनेश पाल, राकेश पाल, कालूराम पाल, मोहित पाल, शुभम पाल, रोहित पाल, संजय पाल सहित पाल समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मकान की तीसरी मंजिल पर लगी भीषण आग, लाखों रुपये का सामान जलकर राख

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के राजीव विहार मोहल्ले में शनिवार देर रात एक मकान की तीसरी मंजिल पर भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से कमरों में रखा लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार राजीव विहार निवासी विनोद शर्मा के मकान की तीसरी मंजिल पर कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे बने हुए हैं। शनिवार रात अचानक इन कमरों से धुआं निकलता दिखाई दिया। देखते ही देखते धुआं भीषण आग में तब्दील हो गया और आग की ऊंची लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं। कुछ ही देर में आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने बाल्टियों और पाइपों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती रही। इसके बाद तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम अग्निशमन वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने काफी देर तक मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया, जिससे आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोका जा सका। हालांकि तब तक कमरों में रखा फर्नीचर, कपड़े, विद्युत उपकरण तथा अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुका था। आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। आग लगने की इस घटना ने क्षेत्र के लोगों को झकझोर दिया और विद्युत सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सतर्क रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

मुठभेड़ में ढ़ेर हुआ सूर्या का हत्या आरोपी असद, फरार 1 आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बीती 28 मई 2026 को सूर्या के ऊपर चाकू से आत्मघाती हमला किया गया था। सूर्या को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 29 मई 2026 को उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। सूर्या की हत्या के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके हत्या आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने इस घटना से संबंधित 3 हत्या आरोपी सूर्या के हत्या आरोपी नवाब, फरहान और आतिफ को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं घटना का मुख्य आरोपी असद फरार चल रहा था, जिसको गिरफ्तार करने के लिए टीम लगी हुई थी। जैसे ही असद चेकिंग के दौरान पुलिस के रेडर में आया तो मुठभेड़ के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया। जब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया तो डॉक्टर ने उसे उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया। वहीं इस घटना से जुड़ा एक आरोपी अभी खरब चल रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस लगी हुई है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि असद अपने साथी के साथ अपने घर जा रहा है और वहां से सामान व पैसे लेकर अंडरग्राउंड होने की फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस ने वैशाली पुलिया के पास बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग करनी शुरू की थी। इसी दौरान पुलिस को एक बाइक पर 2 संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए थे। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें एक अभियुक्त घायल हो गया। इसके अलावा बाइक सवार दूसरा अभियुक्त अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घायल को उपचार के दौरान अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी पहचान असद के रूप में हुई। डॉक्टर ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से मोटरसाइकिल और पिस्टल बरामद की है।

बिजनौर में आज गरजेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बढ़ापुर में जनसभा को करेंगे संबोधित

बिजनौर (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1 जून को जनपद बिजनौर के बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1 बजे आलमपुर गावड़ी पहुंचेंगे, जहां उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा अधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लेकर अंतिम रूप दे दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सबसे पहले राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इस दौरान वह महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना करेंगे तथा उन्हें आत्मनिर्भरता के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान पांच प्रगतिशील किसानों और पांच पूर्व सैनिकों को प्रतीक स्वरूप खतौनियों का वितरण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दौरे के दौरान एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उनका संबोधन लगभग आधे घंटे का होगा, जिसमें वह केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा विभिन्न उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए आलमपुर गावड़ी और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों और वीआईपी आवागमन संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है।

बकायेदारों के लिए सुनहरा मौका: आवास विकास परिषद का ओटीएस योजना 2026 को लेकर महा अभियान

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित एक मुश्त समाधान योजना 2026 का लाभ बकायेदारों तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद पूरी तरह से एक्शन मोड में है। उच्चाधिकारियों और उप आवास आयुक्त (मेरठ जोन) अनिल कुमार सिंह के निदेशों के क्रम में रविवार की छुट्टी होने के बावजूद गाजियाबाद में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

संपत्ति प्रबंध अधिकारी पीएस रावत ने अपनी पूरी टीम के साथ मोर्चा संभालते हुए सिद्धार्थ विहार और वसुंधरा योजना में लाउडस्पीकर के जरिए मुनादी कराई। इस दौरान टीम ने घर-घर जाकर बकायेदारों की संपत्तियों पर ओटीएस योजना के नोटिस भी चस्पा किए और सभी डिफॉल्टरों से दण्ड ब्याज से मुक्ति पाने की अपील की।

18 जुलाई तक मिलेगा लाभ, आवंटियों में भारी उत्साह

यह ओटीएस योजना 18 अप्रैल से 18 जुलाई 2026 तक संचालित है। इसके तहत सभी प्रकार के फ्लैट्स, प्लॉट्स, भवन, सहकारी समितियों, कमर्शियल प्लॉट्स और मानचित्र डिफॉल्टर आवंटियों को दण्ड ब्याज (पेनल्टी) में भारी छूट दी जा रही है। शासन की इस योजना को लेकर आवंटियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। वर्तमान तक 128 आवंटियों द्वारा ओटीएस में आवेदन किया जा चुका है, जिनमें से 54 मामलों का कार्यालय द्वारा तत्काल प्रभाव से निस्तारण भी कर दिया गया है।

योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों माध्यमों से आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन आवास बंधु की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यदि किसी आवंटी को आवेदन में कोई तकनीकी या व्यावहारिक समस्या आती है, तो उसकी सहायता के लिए संपत्ति प्रबंध कार्यालय, गाजियाबाद में एक विशेष ओटीएस हेल्प डेस्क की स्थापना भी की गई है।

लापरवाही पर पीपी एक्ट के तहत होगी बेदखली की कार्रवाई

प्रचार अभियान के दौरान संपत्ति प्रबंध कार्यालय द्वारा बकायेदारों को सख्त चेतावनी भी जारी की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बकाया धनराशि का भुगतान कर अपनी संपत्ति का स्वामित्व प्राप्त करने का यह अंतिम अवसर है। यदि इस स्वर्णिम अवसर का लाभ नहीं उठाया गया, तो योजना अवधि समाप्त होने के बाद बकायेदारों के खिलाफ पीपी एक्ट (सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम) के तहत सीधे बेदखली की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

"आवंटियों का हित परिषद के लिए सर्वोपरि"

"उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की नीतियां हमेशा से जनोन्मुखी और पारदर्शी रही हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य लोगों को परेशान करना नहीं, बल्कि उन्हें राहत प्रदान कर उनके सपनों के घर का मालिकाना हक सौंपना है। ओटीएस योजना इसी दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। परिषद लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि शासन की इस जन-कल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम आवंटी तक पहुंचे।

—अनिल कुमार सिंह, उप आवास आयुक्त (मेरठ जोन)

सेवा भाव से काम कर रही है आवास विकास की टीम

"आवास विकास परिषद अपने आवंटियों की हर संभव मदद के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी सेवा भाव और कर्तव्यनिष्ठा के चलते हमारी टीम ने रविवार के अवकाश के दिन भी फील्ड में उतरकर लोगों को जागरूक किया है। विभाग का प्रयास है कि कोई भी लाभार्थी जानकारी के अभाव में इस छूट से वंचित न रहे। लोगों का जो सकारात्मक रुझान आ रहा है, वह आवास विकास परिषद की कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता पर जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है।

—पीएस रावत, संपत्ति प्रबंध अधिकारी (गाजियाबाद)

ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने नियमित चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर एक युवक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आकाश पुत्र सुभाष, निवासी ग्राम नयागांव इनायपुर, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ बताया। अवैध शस्त्र बरामद होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराध नियंत्रण तथा अवैध शस्त्रों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शशिपाल सिंह, उपनिरीक्षक चन्द्रदेव पटेल तथा कांस्टेबल देव तोमर शामिल रहे। पुलिस टीम की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पर्स छिनैती और लूटकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने पर्स छिनैती और लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की घटना से संबंधित नकदी, मंगलसूत्र, पर्स, अवैध चाकू तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अरवाज और जैद को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी ग्राम पलवाड़ा, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूट की घटना से संबंधित 5 हजार रुपये नकद, पीली धातु का एक मंगलसूत्र, पर्स, एक अवैध चाकू तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। बरामद सामान के आधार पर पुलिस ने घटना का सफल खुलासा किया है। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों की गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक महेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक राहुल अत्री, उपनिरीक्षक करन कुमार सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विश्वास और मजबूत हुआ है।

थार से लटककर स्टंट करना पड़ा महंगा, वायरल वीडियो पर 12 हजार रुपये का चालान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद की सड़कों पर थार वाहन से लटककर स्टंटबाजी करना एक युवक को महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यातायात पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए वाहन के विरुद्ध कार्रवाई की और 12 हजार रुपये का चालान किया। यातायात प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि हापुड़ में एक थार वाहन की साइड से लटककर एक युवक द्वारा स्टंटबाजी और हुड़दंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में युवक चलती गाड़ी से लटककर खतरनाक करतब करता दिखाई दे रहा था, जिससे न केवल उसकी जान जोखिम में थी बल्कि अन्य राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती थी। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए यातायात पुलिस ने वाहन की पहचान कर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की। जांच के उपरांत संबंधित थार वाहन का 12 हजार रुपये का चालान किया गया। नरेश कुमार ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और सड़क पर किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी या लापरवाही से बचें। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति यातायात नियमों की अवहेलना करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क पर स्टंटबाजी और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

दहेज में कार और 10 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को तीन तलाक देकर घर से निकाला

हापुड़ (शिखर समाचार)। दहेज की अतिरिक्त मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता को कथित रूप से मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का शिकार बनना पड़ा। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने दहेज में कार और 10 लाख रुपये नकद की मांग को लेकर विवाहिता का उत्पीड़न किया तथा अंतत: पति ने तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।

हाफिजपुर थाना क्षेत्र के गांव अब्दुल्लापुर मोड़ी निवासी सहवीजा ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका विवाह 6 अगस्त 2021 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार बुलंदशहर जनपद के थाना गुलावठी क्षेत्र स्थित गांव मखदूमनगर उर्फ मीठापुर निवासी युवक के साथ हुआ था। विवाह में उसके परिजनों ने अपनी आर्थिक क्षमता से बढ़कर लगभग 20 लाख रुपये खर्च किए थे और आवश्यक घरेलू सामान सहित अन्य उपहार भी दिए थे। पीड़िता का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही पति, सास, ननद और देवर अतिरिक्त दहेज के रूप में एक कार और 10 लाख रुपये नकद की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ लगातार अभद्र व्यवहार किया गया तथा मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। विरोध करने पर कई बार मारपीट भी की गई। पीड़िता ने बताया कि दोनों परिवारों और समाज के लोगों ने कई बार समझौते और सुलह का प्रयास किया, लेकिन ससुराल पक्ष अपनी मांगों पर अड़ा रहा। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि ससुराल पक्ष के लोगों के पास भूमि अधिग्रहण के बाद पर्याप्त धनराशि आने के बावजूद उनकी लालच कम नहीं हुई। वे लगातार दहेज की मांग करते रहे और विवाहिता को धमकी देते थे कि उसके पति का दूसरा निकाह किसी संपन्न परिवार की लड़की से करा देंगे। पीड़िता ने बताया कि उसका एक वर्ष का पुत्र भी है। आरोप है कि 27 मई की शाम ससुराल पक्ष के सभी लोग एकजुट होकर उसके साथ गाली-गलौज करने लगे और विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया। इसी दौरान पति ने तीन बार तलाक कहकर वैवाहिक संबंध समाप्त करने की घोषणा कर दी और उसे घर से बाहर निकाल दिया। घटना के बाद पीड़िता ने अपने भाई को सूचना दी। सूचना मिलने पर उसका भाई मौके पर पहुंचा और उसे अपने साथ मायके ले आया। पीड़िता का कहना है कि उसने हाफिजपुर थाने में भी शिकायत की थी, लेकिन उसे यह कहकर बुलंदशहर पुलिस के पास जाने की सलाह दी गई कि मामला बुलंदशहर जनपद के क्षेत्राधिकार से संबंधित है। अब पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर पति समेत ससुराल पक्ष के सभी आरोपितों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा उसे न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महंगी चांदी ने बिगाड़ा गोल्ड मेडल का गणित

60 स्मृति पदकों की लागत ब्याज से ज्यादा

गोरखपुर, एजेंसी। डीडीयू प्रशासन ने डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। समिति वर्तमान लागत, सभी प्रायोजकों की सूची एफडी सहित जमा राशि और वर्तमान अंतर का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करेगी। समिति यह भी देखेगी कि प्रायोजित पदकों से विश्वविद्यालय को हर वर्ष कितना आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

महंगी चांदी ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले स्मृति स्वर्ण पदकों का गणित बिगाड़ दिया है। इसे लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन पशोपेश में हैं। करीब 60 से अधिक ऐसे स्मृति पदक हैं जिनकी लागत प्रायोजकों की ओर से जमा धनराशि के ब्याज से अधिक आ रही है।

इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ऐसे प्रायोजकों को पत्र लिखकर संशोधित तय राशि जमा कराने के लिए आग्रह पत्र लिखने की तैयारी कर रहा है। डीडीयू में 1960-70 के दशक में स्मृति पदक दिए जाने की शुरुआत हुई थी। स्मृति पदक 25 ग्राम का चांदी का होता है और उस पर सोने की परत चढ़ी होती है।

आज से 50-60 साल पहले चांदी की कीमत बहुत कम थी। उस दौर के हिसाब से शुरुआत में करीब पांच हजार रुपये प्रायोजकों से स्मृति पदक के लिए जमा कराए जाते थे। यह रकम प्रायोजक से लेकर एफडी करा दी जाती थी। इसी रकम के ब्याज से पदक दिया जाता रहा।

इस समय बाजार में चांदी की कीमत करीब 2500-3000 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। यानी 25 ग्राम चांदी का स्मृति पदक बनवाने की लागत सात-आठ हजार रुपये से अधिक आएगी। यदि किसी ने शुरुआत में पांच हजार रुपये स्मृति पदक के लिए जमा किया है तो उसका वार्षिक ब्याज करीब 300-350 रुपये तक ही आएगा।

स्मृति पदक लोगों की भावनाओं से जुड़ा होता है लेकिन इसकी वजह से विश्वविद्यालय को आर्थिक नुकसान हो रहा है। प्रायोजकों से वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आग्रह किया जाएगा। इस मामले में समिति गठित की गई है: **प्रो. पूनम टंडन,** कुलपति, डीडीयू

डीडीयू को हर वर्ष लाखों का नुकसान

स्मृति पदक संभ्रांत लोगों की ओर से अपने पूर्वजों की स्मृति में विभिन्न पाठ्यक्रमों के टॉपरों या विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को दिए जाने का प्रावधान है। विश्वविद्यालय इसमें सेतु के रूप में काम करता है। इसके बाद भी डीडीयू हर वर्ष लाखों रुपये का नुकसान खुद उठा रहा है।

समिति गठित, रिपोर्ट का इंतजार

डीडीयू प्रशासन ने डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। समिति वर्तमान लागत, सभी प्रायोजकों की सूची एफडी सहित जमा राशि और वर्तमान अंतर का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करेगी। समिति यह भी देखेगी कि प्रायोजित पदकों से विश्वविद्यालय को हर वर्ष कितना आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

समिति की रिपोर्ट के आधार पर 2.50 लाख रुपये से कम जमा करने वाले प्रायोजकों को पत्र लिखकर जमा और वर्तमान में तय राशि के बीच जो अंतर आ रहा है, जमा कराने का आग्रह करने की योजना है।

संक्षिप्त समाचार

कंपनी बस की बाइक से टक्कर, दो छात्र गंभीर घायल, कंपनी गेट पर ग्रामीणों का हंगामा

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के नंगला चमरू गांव के समीप स्थित यूटीएल सोलर कंपनी के गेट के पास कंपनी की बस और बाइक की टक्कर में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कंपनी गेट पर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर शांत किया तथा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। सैंथली मोड़ पुलिस चौकी प्रभारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि अभिषेक और मोहित सैंथली गांव में अपने परिवार के साथ रहते हैं तथा दोनों छात्र हैं। शुक्रवार को वे बाइक से अपने गांव से दादरी कोचिंग के लिए जा रहे थे। जैसे ही वे जारचा कोतवाली क्षेत्र के नंगला चमरू गांव के समीप यूटीएल सोलर कंपनी के पास पहुंचे, तभी कंपनी की बस से उनकी बाइक की टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों छात्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद बस चालक को मौके पर ही पकड़ लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त बाइक को कंपनी के मुख्य गेट पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। स्थिति तनावपूर्ण होते देख पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष को मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। दोनों घायलों का दादरी स्थित नवीन अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

हरोड़ा मोड़ पर दो पक्षों में मारपीट, वीडियो वायरल होने के बाद चार आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली क्षेत्र के हरोड़ा मोड़ बाजार में दो पक्षों के युवकों के बीच हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, दिन के समय हरोड़ा मोड़ बाजार में क्षेत्र के गांव सैना और वैठ के कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने लगी। इस दौरान लात-घूंसों के साथ बेल्ट भी चलीं, जिससे बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो किसी व्यक्ति ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की और घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज किया। क्षेत्राधिकारी गढ़मुक्तेश्वर स्तुति सिंह ने बताया कि मामले की जांच के दौरान चार आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दादरी रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडर गिरफ्तार, रेलवे अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग स्थित दादरी रेलवे स्टेशन पर बिना वैध अनुमति खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थ बेच रहे एक अवैध वेंडर के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी के कब्जे से खाद्य सामग्री और पेय पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि इटावा जनपद के राहतपुरा गांव निवासी अंशु दादरी रेलवे स्टेशन पर बिना किसी वैध लाइसेंस अथवा प्रमाणपत्र के खाद्य सामग्री और पेय पदार्थों की बिक्री कर रहा था। प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर जांच के दौरान आरपीएफ टीम ने उसे खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़ा। पूछताछ के दौरान जब उससे रेलवे परिसर में बिक्री करने संबंधी वैध प्रमाणपत्र और अनुमति पत्र मांगे गए तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद आरपीएफ ने उसे हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। आरपीएफ ने आरोपी के कब्जे से खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थ बरामद कर लिए और उसके विरुद्ध रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे परिसर में अनाधिकृत रूप से कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

गोरखपुर में होंगे 43 हजार अभ्यर्थी : 67 केंद्रों पर बीईडी, 23 केंद्रों पर सहायक आचार्य परीक्षा-सुरक्षा सख्त

गोरखपुर, एजेंसी। जिले में रविवार को दो बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित होंगी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी की ओर से बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक आचार्य भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा कराई जाएगी। प्रशासन ने दोनों परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बीएड प्रवेश परीक्षा जिले के 67 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक व दूसरी पाली दोपहर दो से शाम पांच बजे तक चलेगी। इस परीक्षा में कुल 32,530 अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं, सहायक आचार्य भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा 23 केंद्रों पर सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें 10,519 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे।

परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं अन्य अधिकारियों को परीक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार, समन्वयक पवन मौर्य और जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश गुप्ता मौजूद रहे। प्रशासन ने सभी केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी और यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर नगीना में भव्य समारोह, 72 मेधावी छात्र छात्राएं सम्मानित

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन (पंजीकृत) द्वारा नगीना में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पत्रकारों से जनहित में निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता करने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्षेत्र के 72 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी शील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। शनिवार देर शाम एम.एम. इंटर कॉलेज में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के सूचना आयुक्त सुधीर कुमार चौहान ने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास, महत्व और वर्तमान चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ पत्रकारिता के स्वरूप में परिवर्तन आया है, लेकिन पत्रकारों की जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढ़ी हैं। उन्होंने पत्रकारों से चुनौतियों का सामना करते हुए निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान एक वक्ता द्वारा सहकारी कताई मिल परिसर में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने का सुझाव दिए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री तक यह मांग पहुंचाने का आश्वासन भी दिया।

सहारा समय के उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड प्रभारी बृजेश चौधरी ने हिंदी पत्रकारिता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बावजूद समाचार पत्रों का महत्व कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भी आम जनता प्रिंट मीडिया पर सबसे अधिक विश्वास करती है।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिलाध्यक्ष ज्योतिलाल शर्मा ने हिंदी पत्रकारिता के विकास पर चर्चा करते हुए पत्रकारों की समस्याओं को उठाया। उन्होंने सरकार से पत्रकारों के जीविकोपार्जन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ठोस नीति बनाने की मांग की।

चेयरमैन संघ के जिलाध्यक्ष शेख शहनवाज खलील ने पत्रकारों से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए सकारात्मक और निष्पक्ष पत्रकारिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कुछ मोबाइल पत्रकारों की कार्यशैली पर चिंता व्यक्त करते हुए पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम से पूर्व एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। समारोह एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रतेंद्र विश्नोई की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन मनोज वाल्मीकि एवं डॉ. संदीप शर्मा ने किया, जबकि संयोजन की जिम्मेदारी मुकेश त्यागी ने निभाई।

समारोह में हास्य कवि हुडदंग नगीनवी एवं आलमगीर काजमी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। खराब मौसम के बावजूद देर रात तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर धर्मेंद्र चौधरी, अफसार सिद्दीकी, होमेश कश्यप, आदेश बिश्नोई, राशिद उस्मानी, नंदकिशोर, विकास अग्रवाल, गौरव गोयल, डॉ. मुअज्जम रियाजी, अरशद नगीनवी, मुनीर आलम सोनी, अनवर महमूद कुरैशी, बाबूल प्रदीप चौहान, रायपुर, फरीद अंसारी, हसन इमाम, मोहित कुमार, अमनदीप, रोशन लाल, रोहित रवि, भूपेश चौहान, प्रधानाचार्य महेश कुमार, विपिन कुमार, राम अवतार बिश्नोई, गौरव अग्रवाल, राजकुमार सेठी, सोहन सैनी, अंजू बिश्नोई, राजू बिश्नोई, जितेंद्र बिश्नोई, अनिल विश्वकर्मा, कवि कृष्णा बिश्नोई, तंजीम अहमद, लवली चौहान, धर्मपाल सिंह सैनी, बलराज सिंह सैनी, राजकुमार चावला, विशेष कुमार, महावीर सिंह सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं छात्रों के अभिभावक मौजूद रहे।

फेसबुक पर आई बला की खूबसूरत विदेशी लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट

युवक ने की ऐसी गलती, गंवा दिए 24 लाख रुपये

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहाबाद में फेसबुक पर विदेशी युवती बनकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को डर और धमकी दिखाकर 24 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने मनी लॉन्ड्रिंग और गिरफ्तारी का डर दिखाकर बैंक से लोन तक करवाया और अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर करा ली, जिसके बाद पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

फेसबुक पर साइबर अपराधियों ने युवती बनकर दोस्ती कर फतेहाबाद के व्यक्ति से 24 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली। अवैध दस्तावेज से युवती के भारत आने के नाम पर डर दिखाया। जेल भेजने की धमकी दी। आतंकवादी संगठन और मनी लॉन्ड्रिंग में कार्रवाई का डर दिखाया गया। इसके बाद कई खातों में रकम जमा करा ली। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है।

फतेहाबाद के रहने वाले पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनके फेसबुक अकाउंट पर एक विदेशी युवती ने फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी, जिसे उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। फेसबुक मैसेंजर पर दोनों एक दूसरे के बारे में बातें करते थे। 20 अप्रैल को युवती ने कहा कि वह भारत आ रही है। एक दिन एयरपोर्ट से कॉल आई कि आपकी मित्र आई है। इनके पास दस्तावेज पूरे नहीं है। इनको फर्जी तरीके से भारत आने के जुर्म में पकड़ लिया गया है। आपको भी गिरफ्तार किया जाएगा।

आतंकवादी संगठन से जुड़े होने और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कार्रवाई की जाएगी। इस कारण वह काफी डर गए। बैंक से लोन लेकर बताए गए खाते में रकम जमा कर दी। कई बार में 24 लाख रुपये जमा कर दिए गए। बाद में धोखाधड़ी का पता चला इस पर साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अब प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपियों के खातों की जानकारी जुटाई जा रही है।

विवादित ढांचों में बकरीद और जुमे की नमाज नहीं हुई

40 लोग पाबंद; पुलिस फोर्स-पीएसी रही तैनात

लखनऊ, एजेंसी। मलिहाबाद के कसमंडी कलां स्थित विवादित ढांचों में बृहस्पतिवार को बकरीद और शुक्रवार को जुमे की नमाज नहीं पढ़ी गई। यहां एहतियातन पीएसी और पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने विवाद की आशंका के चलते गांव के दोनों समुदायों के 20-20 लोगों को पाबंद कर दिया था। ड्रोन के जरिये विवादित ढांचों की निगरानी भी करती रही।

कुछ समय पहले हिंदू संगठनों ने ढांचे में पूजा, आरती करने और हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। इसके बाद से ही दोनों समुदायों के लोगों का विवादित ढांचे में जाने से प्रतिबंध लगा हुआ है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि शांति व्यवस्था बनी हुई है।

ढांचे के आसपास है 18 बीघे का कब्रिस्तान : विवादित ढांचों के आसपास लगभग 18 बीघा भूमि वर्तमान में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है। ग्रामीणों का कहना है कि यह करीब 14 साल पहले दर्ज की गई थी। कुछ लोगों ने कब्रिस्तान की भूमि पर मकान भी बनवा लिए।

मौलाना के खिलाफ कार्रवाई की मांग : लाखन आर्मी के कार्यकर्ता ने 27 मई को इंस्पेक्टर मलिहाबाद को प्रार्थनापत्र दिया। आरोप लगाया कि बहराइच के मौलाना तीन वर्ष पूर्व कसमंडी कलां आए थे। उन्होंने अवैध मदरसा चलाकर विवादित स्थल में नमाज शुरू की थी। आरोप है कि बच्चों का ब्रेनवाश किया गया। विवाद की स्थिति मौलाना ने उत्पन्न की है।

पत्रकारिता दिवस पर खतौली में सम्मान समारोहों की रही धूम, विभिन्न संगठनों ने किया पत्रकारों का सम्मान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। पत्रकारिता दिवस के अवसर पर रविवार को खतौली कस्बे में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर पत्रकारों का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए पत्रकारों के योगदान की सराहना की और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

स्थानीय मंडी दीपचंद में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी ने कहा कि पत्रकारिता समाज और राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता की पहचान विश्व स्तर पर है और इसके माध्यम से देश के विकास की नई दिशाएं निर्धारित होती हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में भी निष्पक्षता के साथ कार्य करते हुए जनसमस्याओं को उजागर करते हैं तथा उनके समाधान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में पत्रकारों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. के.एस. भौज्ञान ने की, जबकि संचालन नगर अध्यक्ष प्रवीण ठकराल ने किया। इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, अमित ठाकुर, सौरभ शेट्टी, अनुज सहरावत, विकास पुंडीर, राजेश, श्याम रहेजा, अश्वनी, संदीप सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वहीं भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति द्वारा भी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में सैनी नगर स्थित प्रदेश सचिव राशेश्वर सैनी के आवासीय कार्यालय पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनहित की आवाज को बुलंद करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया गया तथा पत्रकारिता के महत्व, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और समाज के प्रति पत्रकारों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज सेवा का सशक्त माध्यम है, जिसके जरिए आमजन की समस्याएं शासन-प्रशासन तक पहुंचती हैं और जनता की आवाज को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार डॉ. रविंद्र सिंह जादौन ने की, जबकि संचालन डॉ. अंकुर प्रकाश गुप्ता मानव, वसीम अहमद एवं अफान अख्तर ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के जिला अध्यक्ष ठाकुर नीरज सिंह, जिला महामंत्री अमरीश कुमार कौशिक, जिला प्रभारी चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ. सारिक जैदी, प्रदेश सचिव राशेश्वर सैनी उर्फ राधे प्रणामी, गोविंद सैनी, सैयद मुमतियाज अहमद अधिवक्ता, अरुण सैनी, बिरजू सैनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रमों में पत्रकारिता के मूल्यों, निष्पक्षता और जनसेवा की भावना को बनाए रखने का आह्वान किया गया।

म्यांमार के राष्ट्रपति ने किया एनटीपीसी नेट्रा का दौरा, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की सराहना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने रविवार को एनटीपीसी लिमिटेड की अनुसंधान एवं विकास इकाई एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रिसर्च अलायंस (नेट्रा) का दौरा किया। उनके साथ म्यांमार का उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भारत की उन्नत स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान गतिविधियों और ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह, एनटीपीसी नेट्रा के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक एवं प्रमुख शाश्वत्तम तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रपति और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। अधिकारियों ने उन्हें एनटीपीसी की विकास यात्रा, म्यांमार में कंपनी की पूर्व गतिविधियों तथा वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए किए जा रहे अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने नेट्रा परिसर में स्थापित अत्याधुनिक पायलट परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इनमें 4 मेगावाट/1 मेगावाट-घंटा सौर माइक्रोग्रिड, 3 मेगावाट-घंटा वैनाडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, ग्रीन हाइड्रोजन हब तथा कृषि एवं नगर ठोस अपशिष्ट गैसीकरण आधारित विद्युत उत्पादन संयंत्र प्रमुख रहे। इन परियोजनाओं के माध्यम से एनटीपीसी द्वारा स्वच्छ, टिकाऊ और भविष्य उन्मुख ऊर्जा समाधानों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया गया।

राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण से जुड़ी पहलों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और तकनीकी प्रगति की सराहना की। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि एनटीपीसी ऊर्जा क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने और पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए लगातार अनुसंधान कर रहा है।

यह दौरा भारत और म्यांमार के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान, नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, ग्रीन हाइड्रोजन विकास तथा अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसी तकनीकों में दोनों देशों के बीच साझेदारी की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। इस अवसर ने भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के साथ-साथ क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने का मार्ग भी प्रशस्त किया।

पुलिस पर अवैध हिरासत और रुपये वसूलने का आरोप, युवक ने आत्महत्या की दी चेतावनी

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक युवक ने पुलिस पर अवैध रूप से हिरासत में रखने, मारपीट करने और रुपये वसूलने का गंभीर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक और वीडियो वायरल कर दिया है। युवक ने चेतावनी दी है कि यदि उसे न्याय नहीं मिला तो वह शामली स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने आत्महत्या कर लेगा। मोहल्ला खेल निवासी आरिफ पुत्र लतीफ ने अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ और पुलिस अधीक्षक शामली को भेजे गए शिकायती पत्र तथा वायरल वीडियो में बताया कि बीते शुक्रवार को मोहल्ले में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। घटना के बाद वह उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचा था, जहां दूसरे पक्ष के लोगों ने उसके साथ भी मारपीट की। आरिफ का आरोप है कि उसके साथ हुई मारपीट की शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय पुलिस ने उसे ही हिरासत में ले लिया। उसने कहा कि उसे अवैध रूप से थाने में बैठाकर रखा गया और छोड़ने के नाम पर उससे 16 हजार रुपये भी लिए गए। युवक ने कुछ पुलिसकर्मियों पर अभद्र व्यवहार और मारपीट करने के भी आरोप लगाए हैं। युवक का कहना है कि यदि उसकी शिकायत पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वह शामली स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने आत्महत्या करने को मजबूर होगा। उसने इस संबंध में 24 घंटे के भीतर दूसरा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है, जिसमें उसने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, मामले में पुलिस विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या आरोपों की पुष्टि नहीं की गई है। शिकायत के आधार पर प्रकरण की जांच किए जाने की चर्चा है।

आईटीएस मोहननगर के सम्मान समारोह में 300 मेधावी छात्र हुए सम्मानित

मोदीनगर/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहननगर, गाजियाबाद द्वारा मोदीनगर स्थित अवलोक मंडप में एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड एवं सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मोदीनगर, मुरादनगर तथा आसपास के क्षेत्रों के लगभग 40 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि मेधावी विद्यार्थियों को मेधावी सम्मान पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों सहित लगभग 450 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक मंजू सिवाच, आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, आईटीएस स्नातक परिसर की प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. राजीव कुमार, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. विदुषी सिंह तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. नीरजा आनंद द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि मंजू सिवाच ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है और उन्हें विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहकर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने विद्यार्थियों को सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता-पिता और गुरुजनों का मार्गदर्शन जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाकर नई संभावनाओं की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। आईटीएस स्नातक परिसर की प्राचार्या डॉ. नैंसी शर्मा ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों और विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। समारोह के दौरान मोदीनगर, मुरादनगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 40 विद्यालयों के उन 300 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने कक्षा 12 की परीक्षा में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने पर समारोह का वातावरण उत्साह और गर्व से भर गया। समापन अवसर पर विधायक मंजू सिवाच, अर्पित चड्ढा, डॉ. नैंसी शर्मा, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. विदुषी सिंह, डॉ. नीरजा आनंद सहित संस्थान के शिक्षकगण, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

प्रेम प्रसंग के विरोध में भाई ने बहन की गला रेतकर की हत्या, परिवार के सदस्य फरार

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव आदमपुर में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 20 वर्षीय युवती की उसके सगे भाई ने कथित रूप से धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसका परिवार लंबे समय से विरोध कर रहा था। घटना के बाद परिवार के अधिकांश सदस्य घर छोड़कर फरार हो गए, जबकि घर पर केवल एक महिला मौजूद मिली। जानकारी के अनुसार आदमपुर निवासी बीरा कुरैशी की पुत्री अदीबा का पिछले कुछ समय से एक युवक से प्रेम संबंध था। परिजन उसे लगातार समझाने और संबंध समाप्त करने का दबाव बना रहे थे, लेकिन वह नहीं मानी। रविवार को अदीबा अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान उसके भाई आमिर ने उसे देख लिया। बताया जा रहा है कि इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आमिर ने कथित रूप से धारदार हथियार से अदीबा का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। इसके बाद क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय महादिक तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली। अधिकारियों ने घर पर मौजूद महिला से पूछताछ की और घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त एक चाकू बरामद किया है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है तथा पुलिस एहतियात के तौर पर निगरानी बनाए हुए है।

आत्मचिंतन, प्रेम और संस्कार ही सुखी परिवार की नींव : आचार्य विनिश्चय सागर महाराज

शामली (शिखर समाचार)। शहर स्थित जैन धर्मशाला में अपने प्रवास के अंतिम दिन आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि आत्मचिंतन, प्रेम और संस्कार ही सुखी एवं समृद्ध परिवार की वास्तविक नींव हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग सुख, शांति और सुकून की तलाश में भौतिक साधनों तथा बाहरी संसाधनों की ओर दौड़ रहे हैं, जबकि वास्तविक और स्थायी शांति आत्मज्ञान, आत्मचिंतन और सही समझ से प्राप्त होती है। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि तीर्थयात्राएं, पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियां मन को प्रसन्नता अवश्य प्रदान करती हैं, लेकिन जब तक व्यक्ति स्वयं को पहचानने और अपने भीतर झांकने का प्रयास नहीं करता, तब तक उसे जीवन के वास्तविक आनंद की अनुभूति नहीं हो सकती। आत्मचिंतन ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति को सच्चे सुख, संतोष और आत्मिक शांति की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि परिवार मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। परिवार की खुशहाली केवल धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान और सहयोग से बनी रहती है। यदि आर्थिक समृद्धि बढ़ती जाए और संस्कार तथा आपसी प्रेम कम होते जाएं, तो परिवार बिखरने लगता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में त्याग, समझदारी और अच्छे संस्कारों को विशेष स्थान देना चाहिए। धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपने व्यवहार, वाणी और संबंधों का आत्ममूल्यांकन करना चाहिए। मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार लोगों के दिल जीत लेते हैं, जबकि कटु शब्द रिश्तों में दूरियां पैदा कर देते हैं। परिवार में प्रेम और सम्मान बनाए रखने के लिए एक-दूसरे की अच्छाइयों की सराहना करना तथा सकारात्मक सोच अपनाना आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे जीवन में आत्मचिंतन को अपनाएं, परिवार में संस्कारों को बढ़ावा दें और प्रेम, सहयोग एवं सद्भाव की भावना को मजबूत करें। यही मूल्य व्यक्ति, परिवार और समाज को सुख, शांति एवं समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं।

यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नॉएडा की बुटीक इंटरनेशनल कंपनी में हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की बुटीक इंटरनेशनल कंपनी में संपन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर गढ़ नगर व सिंभावली में निकली भव्य शोभायात्रा, हजारों लोगों ने लिया भाग

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। भारत की महान लोकसेविका एवं धर्मनिष्ठ शासिका अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर गढ़ नगर और सिंभावली क्षेत्र में भव्य शोभायात्रा का आयोजन बड़े उत्साह, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं, युवाओं, महिलाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लेकर अहिल्याबाई होल्कर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा और जयघोषों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

शोभायात्रा का शुभारंभ गढ़ नगर से हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए विभिन्न स्थानों तक पहुंची। यात्रा में आकर्षक झांकियों के माध्यम से अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके आदर्शों, धर्म संरक्षण तथा जनकल्याणकारी कार्यों का चित्रण किया गया। बैंड-बाजों और ध्वनि यंत्रों पर बज रहे भक्ति एवं प्रेरणादायक गीतों के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ शोभायात्रा में शामिल रहे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में जनसेवा, न्याय और धर्म संरक्षण के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने देश के अनेक प्राचीन मंदिरों, तीर्थ स्थलों और धार्मिक धरोहरों का जीर्णोद्धार कराया तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मदन चौहान, विधायक रिंकू पाल, विक्रम पाल, राजेंद्र पाल, बलवीर सिंह, महेंद्र पाल, मनीष पाल प्रधान, सुरेंद्र पाल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासक नहीं थीं, बल्कि वे सेवा, त्याग, धर्म और लोककल्याण की प्रतिमूर्ति थीं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को एकजुट करने तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। शोभायात्रा के समापन पर उपस्थित लोगों ने सामाजिक समरसता, राष्ट्रहित और जनसेवा के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भाज्जू में 1.16 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास, ग्रामीणों ने जताया आभार

शामली (शिखर समाचार)। ग्राम भाज्जू में रविवार को ग्राम प्रधान धीरज राज उर्फ बॉबी के आवास पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सदर विधायक प्रसन्न चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग दो किलोमीटर लंबी एवं 1.16 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली भाज्जू श्मशान से मुंडभर तक सड़क निर्माण परियोजना का विधिवत शिलान्यास किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। सड़क के अभाव में क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत कराने के लिए विधायक प्रसन्न चौधरी का आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता लगातार बनी रहेगी और भविष्य में भी जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आगामी 10 जून को काबड़ौत में आयोजित होने वाली रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में चौधरी सतपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, जयपाल सिंह, शीतल सिंह, राजकुमार, शिव राष्ट्र, शिशपाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर गौतमबुद्धनगर में चला व्यापक जागरूकता अभियान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस व्यापक स्तर पर मनाया गया। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य इकाइयों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों, विशेषकर युवाओं को तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की थीम ह्लआकर्षण का पदार्फाश : निकोटीन और तम्बाकू की लत से मुकाबलाह्व रखी गई है। इस थीम का उद्देश्य तम्बाकू उद्योगों द्वारा युवाओं को आकर्षित करने के लिए अपनाई जा रही भ्रामक विपणन रणनीतियों को उजागर करना और समाज को इनके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभ्रा मित्तल ने कहा कि तम्बाकू सेवन मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक है। इसके उपयोग से फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक तथा अनेक गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान शुरू करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हृदय गति और रक्तचाप बढ़ने लगता है तथा शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा प्रभावित होती है। लंबे समय तक तम्बाकू सेवन करने वालों में सीओपीडी, एम्फीसेमा, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियां विकसित हो सकती हैं, जिससे सांस लेना भी कठिन हो जाता है। जनपद सलाहकार डॉ. श्वेता खुराना ने बताया कि तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए उद्योगों द्वारा रंग-बिरंगी पैकेजिंग, विभिन्न फ्लेवरयुक्त ई-सिगरेट, निकोटीन पाउच और वेप्स का उपयोग किया जाता है। सोशल मीडिया और फिल्मों के माध्यम से भी इन उत्पादों को तनाव कम करने वाले साधन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इन भ्रामक प्रचार माध्यमों से बचाना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से जनपद के सभी विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा कोटपा अधिनियम-2003 की धारा-6 का सख्ती से पालन कराया जाएगा, जिसके तहत किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनपद के विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, गोष्ठी, शपथ ग्रहण और हस्ताक्षर अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दादरी क्षेत्र के अनेक शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। आईएमएस कॉलेज सेक्टर-62 के सलाम नमस्ते रेडियो द्वारा संवाद कार्यक्रम और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। रमा देवी इंटरनेशनल स्कूल, शम्भू दयाल पब्लिक स्कूल, जीआर ग्लोबल अकादमिक, आदर्श पब्लिक स्कूल, चैतन्य स्कूल, मयूरी स्कूल, इंडस वैली पब्लिक स्कूल, जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल, समर विला इंटरनेशनल स्कूल, आईआईएमटी कॉलेज, पारस पब्लिक स्कूल, महाराजा कुम्भा इंटरनेशनल स्कूल तथा जवाहर हाई स्कूल सहित अनेक संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जनपद की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला संयुक्त चिकित्सालय नोएडा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसरख, दादरी, भंगेल, बादलपुर, जेवर और डाढ़ा कासना में गोष्ठियां, रैलियां, नुक्कड़ नाटक, हस्ताक्षर अभियान और शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा 58 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और नौ यू-एएएम केन्द्रों पर भी तम्बाकू नियंत्रण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। ग्राम चिटहेड़ा स्थित अम्बेडकर भवन में शिव नादर विश्वविद्यालय की टीम ने पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, स्वास्थ्य वार्ता और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए। वहीं राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा सत्र, पम्पलेट वितरण, विशेष जागरूकता शिविर और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार ने कहा कि तम्बाकू, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला, सिगरेट, मावा और अन्य तम्बाकू उत्पादों से दूरी बनाकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने बताया कि तम्बाकू की लत से ग्रसित लोगों के लिए जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा संचालित तम्बाकू उन्मूलन केन्द्रों पर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने जनपदवासियों से तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और स्वयं तथा अपने परिवार को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने का आह्वान किया।

संस्कारयुक्त शिक्षा के संकल्प के साथ शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

शामली (शिखर समाचार)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बुढ़ाना रोड, शामली में विद्या भारती द्वारा आयोजित प्रांतीय शिशु वाटिका नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के 14 जनपदों से लगभग 110 आचार्य-बहनों ने सहभागिता की। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता शिव कुमार शर्मा ने कहा कि शिशुओं के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी शिक्षण व्यवस्था आवश्यक है, जिससे उनकी ज्ञानेंद्रियों और कर्मेंद्रियों का समुचित विकास हो सके। उन्होंने विद्यालयों में संस्कारयुक्त, सकारात्मक और प्रेरणादायी वातावरण विकसित करने पर विशेष बल दिया।

प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप गुप्ता ने भारतीय जीवन मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों में संस्कार निर्माण के लिए पारिवारिक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थी आचार्य-बहनों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव भी साझा कराए। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली सभी आचार्य-बहनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी ऐरन ने अतिथियों का परिचय कराया तथा सभी आगंतुकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्र निर्माण, संस्कारयुक्त शिक्षा और बालकों के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ हुआ।

संपादकीय

गाज़ियाबाद की घटना और समाज के सामने खड़ा बड़ा सवाल

दिल्ली से सटे गाज़ियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में 11वीं कक्षा के छात्र सूर्या चौहान की हत्या और उसके बाद मुख्य आरोपी असद की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। पिछले कुछ दिनों से यह मामला केवल एक आपराधिक घटना भर नहीं रह गया, बल्कि कानून-व्यवस्था, युवाओं में बढ़ती हिंसक मानसिकता, सामाजिक तनाव और न्याय व्यवस्था को लेकर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। 31 मई 2026 की सुबह जब पुलिस ने घोषणा की कि सूर्या चौहान हत्याकांड का मुख्य आरोपी असद मुठभेड़ में घायल होने के बाद मारा गया है, तब एक तरफ पीड़ित परिवार और बड़ी संख्या में लोगों ने इसे न्याय की दिशा में उठाया गया कदम माना, वहीं दूसरी ओर पुलिस कार्रवाई और मुठभेड़ों को लेकर नए सवाल भी सामने आए। घटना की शुरूआत 28 मई को हुई थी, जब गाज़ियाबाद के खोड़ा इलाके में रहने वाले 17 वर्षीय छात्र सूर्या चौहान पर चाकू से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल सूर्या को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और शुरूआती कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि मुख्य आरोपी असद फरार चल रहा था। उसके ऊपर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। रविवार तड़के पुलिस को सूचना मिली कि असद अपने कुछ साथियों से मिलने और भागने की तैयारी में है। पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान उसने और उसके साथी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने के बाद उसकी मौत हो गई। इस दौरान एक पुलिसकर्मी के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस ने आरोपी के पास से हथियार और मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष केवल आरोपी की मौत नहीं है, बल्कि वह सामाजिक वातावरण है जिसमें ऐसी घटनाएं जन्म ले रही हैं। देश के कई हिस्सों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान छोटी-छोटी बातों पर युवाओं के बीच हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। मित्रता, आपसी विवाद, सोशल मीडिया पर विवाद, धार्मिक या सामुदायिक संवेदनशीलता जैसे मुद्दे कई बार इतनी तेजी से हिंसक रूप ले लेते हैं कि एक पल का आवेश किसी परिवार की पूरी दुनिया उजाड़ देता है। सूर्या चौहान के परिवार के लिए सबसे बड़ा सच यही है कि उनका बेटा अब कभी वापस नहीं आएगा। किसी भी मुठभेड़, गिरफ्तारी या सजा से उस परिवार का नुकसान पूरा नहीं हो सकता। यह भी चिंता का विषय है कि ऐसी घटनाओं के बाद समाज का एक बड़ा हिस्सा तुरंत धार्मिक और सामुदायिक खांचों में बंटने लगता है। सोशल मीडिया पर जिस तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, वे बताती हैं कि लोग न्याय की मांग से अधिक भावनात्मक और सामुदायिक प्रतिक्रिया देने लगते हैं। इससे तनाव बढ़ता है और कानून-व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। किसी भी अपराधी की पहचान उसके अपराध से होनी चाहिए, न कि उसकी जाति, धर्म या समुदाय से। यदि समाज अपराध को सामुदायिक चश्मे से देखने लगेगा तो इसका नुकसान पूरे देश को भुगतना पड़ेगा। इस मामले ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश में पुलिस मुठभेड़ों की नीति पर भी चर्चा छेड़ दी है। समर्थकों का कहना है कि जब अपराधी पुलिस पर हमला करते हैं तो जवाबी कार्रवाई स्वाभाविक है और इससे अपराधियों में भय पैदा होता है। दूसरी ओर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कानून विशेषज्ञों का मत है कि प्रत्येक मुठभेड़ की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि न्यायिक प्रक्रिया और संवैधानिक मूल्यों पर लोगों का भरोसा बना रहे। लोकतंत्र में कानून का राज सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है और यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है कि अपराधियों को सजा मिले तथा जांच की प्रक्रिया पारदर्शी रहे।

~ मौलिक चिंतन ~

सच को न समझने वाले हमेशा झूठे और मक्कारों द्वारा शोषित होते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है। भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना गलत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

जहरीली शराब का जहरः मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस

ललित गर्ग

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ण एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ण- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।
~~~~~~~~~

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आततायियों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आततायियों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर, मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे, कभी भी स्थिर नही रहे। जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा।...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

पिछली गिरावट के बाद निवेशक सतर्क, जून के पहले हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर रहेगी पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका-ईरान संबंधों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें भारतीय महंगाई दर को सीधे प्रभावित करती हैं। आने वाला सप्ताह भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली ।

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। नए-नए मॉडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

1 जून से लागू होंगी नई दरें, कच्चे तेल की नरमी के बीच सरकार का फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों

को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का मुनाफा घटकर 167 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 167.45 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से गन्ने की लागत बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी का 2024-25 की समान तिमाही में मुनाफा 183 करोड़ रुपये था। एकीकृत चीनी और एथनॉल उत्पादक कंपनी त्रिवेणी इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 1,842.15 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,934.53 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 268.71 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 243.19 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय बढ़कर 7,697.03 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,865.58 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16.64 लाख करोड़ के आंतरिक लेनदेन की मंजूरी मांगेगी

मुख्यतः जियो और रिटेल इकाइयों के बीच होंगे सौदे, पांच वित्त वर्षों तक चलेगा यह सिलसिला

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले पांच वित्तीय वर्षों के लिए 16.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विशाल आंतरिक लेनदेन को अपनी डिजिटल और खुदरा सहायक कंपनियों, जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ आगे बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रखा जाएगा। कंपनी द्वारा दाखिल नोटिस के अनुसार इस प्रस्तावित लेनदेन का सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस रिटेल द्वारा रिलायंस जियो को दिया जाएगा, जो दूरसंचार सेवाओं की बिक्री के बदले में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वित्तीय वर्ष 2027-28 में 2.20 लाख करोड़ रुपये और उसके बाद 2028-29 से 2031-32 तक प्रत्येक वर्ष 2.80 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन का अनुमान है। इसके अतिरिक्त रिलायंस जियो द्वारा दूरसंचार नेटवर्क विस्तार के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर आरआईएल को 76,800 करोड़ रुपये का भुगतान भी प्रस्तावित है। आरआईएल ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया लेनदेन नहीं है, बल्कि मौजूदा मंजूर व्यवस्थाओं की निरंतरता है जिसके लिए शेयरधारकों की सहमति मांगी जा रही है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

तिलहन उत्पादन पर संकट, धान की ओर बढ़ते किसानों पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बढ़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमशः 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल

रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

गौतम अदाणी बोले- समूह ने अमेरिकी मामलों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय किया है। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर कुल 19 गीगावाट से अधिक करना और अदाणी पोर्ट्स द्वारा 50

करोड़ टन से अधिक कार्गो संभालना शामिल है। डिजिटल अवसंरचना में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। अदाणी ने दोहराया कि समूह की पहचान चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता से होती है।

रिलायंस एआई के दम पर बनेगा देश का अग्रणी मनोरंजन मंच

राजस्व में बंपर उछाल, कंटेंट निर्माण और अनुभव में एआई की मुख्य भूमिका

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य एआई के माध्यम से देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बनना है। अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में आरआईएल ने कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और एक अग्रणी मीडिया मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे। एआई का उपयोग केवल दक्षता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि सामग्री बनाने, उपभोक्ता अनुभव और दर्शक जुड़ाव को मौलिक रूप से नया आकार देने के लिए किया जाएगा। कंपनी के मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार, जिसमें जियोसावन, जियो स्टूडियोज और नेटवर्क18 शामिल हैं, ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्शक संख्या और जुड़ाव के मामले में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। इस अवधि में परिचालन आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 34,917 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 17,762 करोड़ रुपये थी। यह वित्तीय वृद्धि एआई-संचालित नवाचारों के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है।

वैश्विक तनाव से श्रीलंका में ईंधन फिर महंगा

तीन महीनों में पांचवीं बार बढ़े दाम, पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें लागू

कोलंबो ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है। देश में पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है, जो पिछले तीन महीनों में पांचवीं वृद्धि है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने नई दरों की घोषणा की, जो शे निवार आधी रात से प्रभावी हो गई हैं।

नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 24 रुपये महंगा होकर 434 रुपये प्रति लीटर और डीजल 15 रुपये बढ़कर 407 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मिट्टी के तेल की कीमत में भी 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे यह 285 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जनता से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। उनका कहना है कि

पश्चिम एशिया के तनाव के कारण देश पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में 293 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल अब 434 रुपये पर पहुंच गया है। इस बीच श्रीलंकाई रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

इरेडा का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर 492.63 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1.77 प्रतिशत घटकर 492.63 करोड़ रुपये रहा।वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा 501.55 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,181.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,915 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,562.14 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,285.91 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में इरेडा का मुनाफा बढ़कर 1,874 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,698 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 8,338.89 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,755.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इस प्रकार अंतरिम लाभांश के रूप में दिए गए 0.60 रुपये प्रति शेयर सहित कुल लाभांश 1.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की ऋण स्वीकृतियां नौ प्रतिशत बढ़कर 51,883 करोड़ रुपये हो गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 47,453 करोड़ रुपये थीं। वहीं ऋण वितरण 16 प्रतिशत बढ़कर 34,946 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले 30,169 करोड़ रुपये था।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3:40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3:40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3:30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड मॉडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक

हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3:15 से 3:20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3:20 से 3:25 बजे तक मार्केट और लिमिट ऑर्डर डालने की सुविधा और 3:25 से 3:30 बजे के बीच केवल लिमिट ऑर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी मॉक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

एडब्ल्यूएल अब मधुर ब्रांड नाम से बेचेगी चीनी

फॉर्च्यून का चीनी बाजार में प्रवेश; श्री रेणुका शुगर्स के साथ रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली ।

खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अब चीनी बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। कंपनी ने इसके लिए देश की बड़ी चीनी कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस करार के तहत एडब्ल्यूएल अब श्री रेणुका शुगर्स के लोकप्रिय और स्थापित ब्रांड 'मधुर' के नाम से चीनी का विपणन करेगी। शेयर बाजारों को को दी गई नियामकीय सूचना के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री ने पैकेज्ड फूड कारोबार में अपनी बाजार पहुंच को मजबूत करने और वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाली एडब्ल्यूएल इस समझौते के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

इस व्यवस्था के तहत श्री रेणुका

शुगर्स अपने प्रमुख चीनी ब्रांड मधुर का लाइसेंस एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस को देगी, जिससे फॉर्च्यून की मजबूत वितरण प्रणाली का लाभ मधुर ब्रांड को भी मिल सकेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहती हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ङ्ग20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया

काकामिगहारा । भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक-एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल ग्योंगमिन रयू ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्वाई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईढ्ढ) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्वाई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान. वैभव सूर्यवंशी का शानदार आगाज

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो । इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है - चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम । तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले में दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वल्लाकडावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले में कहा गया है कि यदि दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त ढाई साल की जेल की सजा भुगतनी होगी। यह मामला तिरुवनंतपुरम के एक प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ा है, जहाँ कई छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ सामने आईं, जिससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि आरोपी कोच विशेष फिटनेस और प्रशिक्षण के बहाने छात्राओं को अकादमी के जिम में ले जाता था और वहीं उनका यौन शोषण करता था। उसकी यह हरकतें यहीं तक सीमित नहीं थीं; उसने कुछ छात्राओं से आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने की भी मांग की थी। छात्राओं द्वारा उसकी अनुचित मांगों को इनकार करने पर, वह उन्हें उचित क्रिकेट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने से कतराता था, जिसके कारण उन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लगातार हो रहे उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के कारण कई छात्राओं को मजबूरन अकादमी को छोड़ना पड़ा था।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है। क्वाली फायर मैच में इस 15 साल के क्रिकेटर ने 97 और 96 रनों की आक्रामक पारियां खेलकर अपने को साबित किया।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमित नहीं थी : जुरेल

-नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है। भारत ए टीम, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छ अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप-कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

-सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया। विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 3906

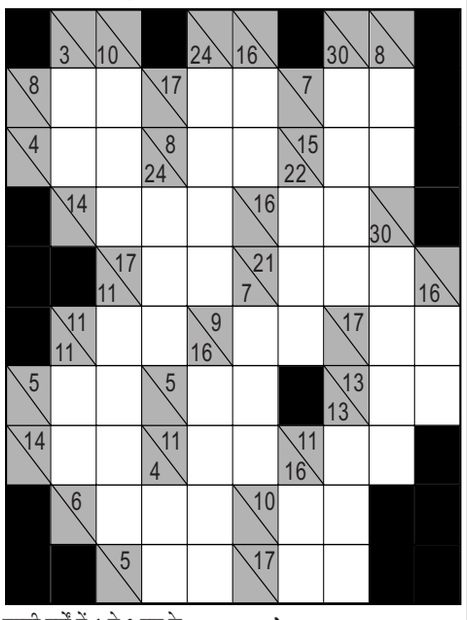

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

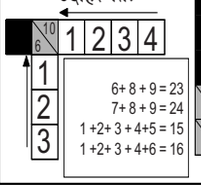

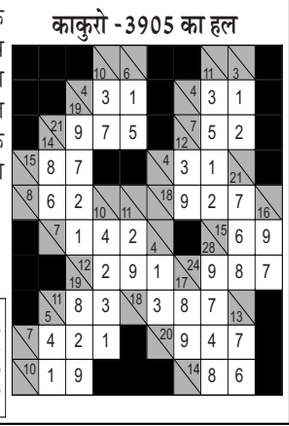

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3905 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

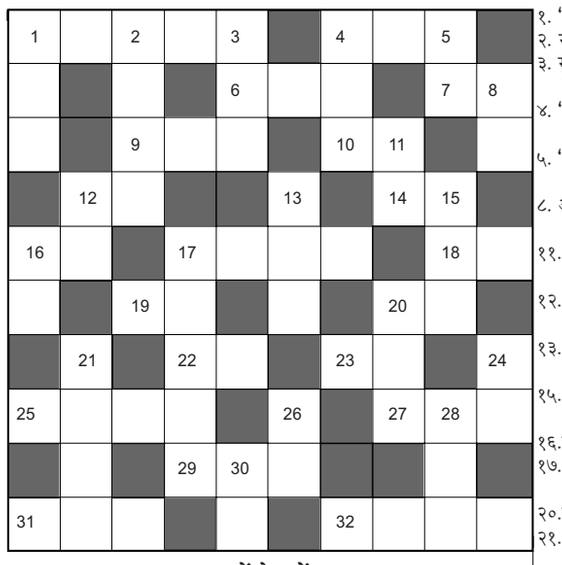

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3906

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3905

सूडोकु -3906

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3905 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

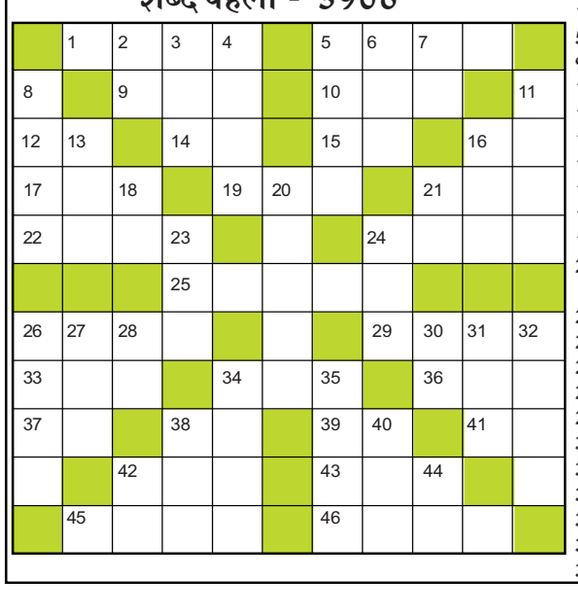

शब्द पहेली - 3906

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -3905 का हल

कम उम्र में हो सकते हैं दिल की बीमारी के शिकार, आज ही छोड़ें ये 5 आदतें

दिल में थोड़ी सी भी गड़बड़ी का होना आपके पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। अगर आप 20 से 30 साल की उम्र में एक खराब लाइफस्टाइल और डाइट को फॉलो करते हैं, तो आगे चलकर ये आपको धमियों से जुड़े विकार और कई बड़ी बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

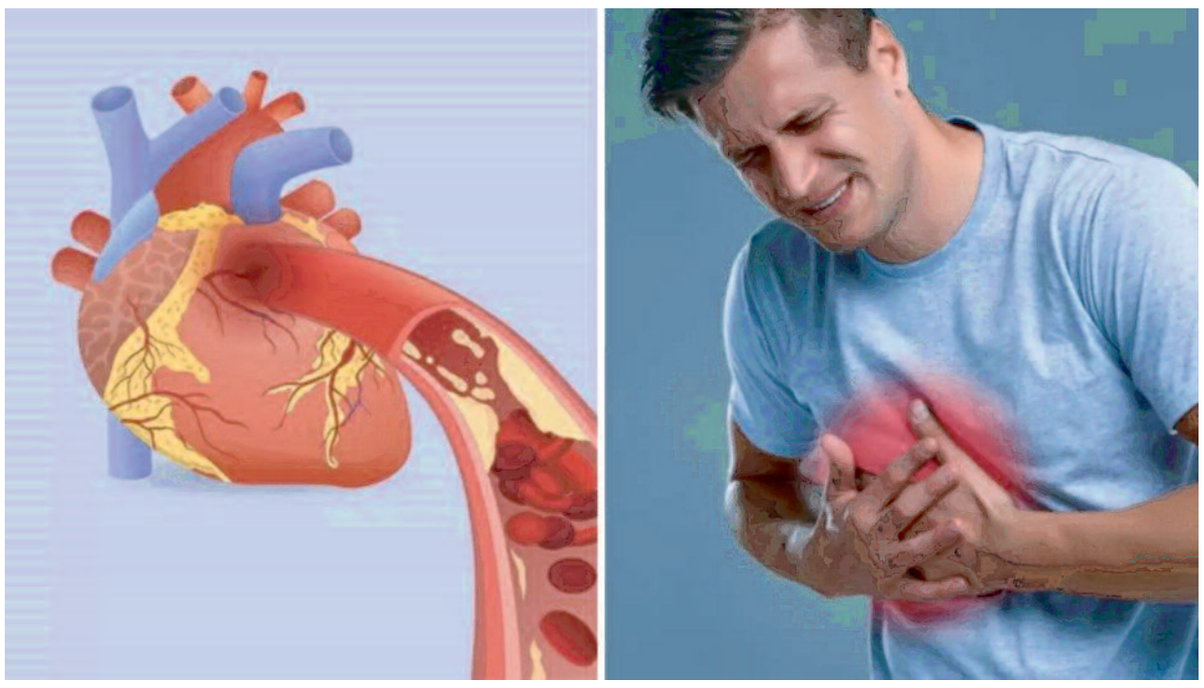

खराब लाइफस्टाइल के कारण आज कम उम्र में ही लोग हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं। एक वक्त था जब दिल की बीमारियों को उम्रदराज लोगों की समस्या माना जाता था लेकिन आज ऐसा नहीं है। आइए इस आर्टिकल में आपको खानपान से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं जिन्हें छोड़कर आप अपनी उम्र को बढ़ा सकते हैं।

ज्यादा नमक

नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो जाती है, जो दिल की बीमारी का एक बड़ा कारण है। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स में नमक ज्यादा होता है। ऐसे में, अपनी डाइट में फ्रेश फूड्स को शामिल करने की कोशिश करें और खानपान में नमक की मात्रा को कम करने के लिए इसके विकल्प के रूप में कुछ हर्ब्स और मसालों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

हाई प्रोटीन डाइट

प्रोटीन आपके शरीर के लिए काफी जरूरी है, लेकिन इसकी ज्यादा मात्रा किडनी से जुड़ी समस्याओं को न्योता देती है, जो दिल की बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकता है। ऐसे में, मांस, मछली पोल्ट्री और डेयरी प्रोडक्ट्स का सीमित मात्रा में ही सेवन करें।

ज्यादा चीनी

ज्यादा चीनी के सेवन से वजन बढ़ाने के साथ-साथ टाइप 2 डायबिटीज का भी खतरा रहता है, जो दिल की बीमारी के बड़े रिस्क फैक्टर्स में से एक है। सोडा, कैंडी, पेस्ट्री और अन्य स्वीट आइटम्स भले ही खाने में कितनी भी स्वादिष्ट लगती हों, लेकिन इन्हें सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

सैचुरेटेड और ट्रांस फैट्स

ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) की मात्रा को बढ़ाने में सैचुरेटेड और ट्रांस फैट्स का भी काफी बड़ा रोल होता है, जो दिल की बीमारी के जोखिम को बढ़ाता है। यही वजह है कि डॉक्टर्स रेड मीट, फुल फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट्स और हाइड्रोजेनेटेड ऑयल से बने फूड आइटम्स का सेवन सीमित मात्रा में करने की सलाह देते हैं।

ब्रेकफास्ट स्किप करना

अक्सर ब्रेकफास्ट स्किप करने की आदत है, तो ये भी आपके ब्लड शुगर को बिगाड़ने का काम करता है और दिल से जुड़ी बीमारियों के जोखिम को बढ़ाता है। एक हेल्दी ब्रेकफास्ट न सिर्फ आपको पूरे दिन एनर्जेटिक रखने में मदद करता है बल्कि आप दिन में ज्यादा खाने से भी बचते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल त्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।' अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

संक्षिप्त समाचार

काला सागर में तुर्किये के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला, अंकारा ने दी तनाव बढ़ने की चेतावनी

इस्तांबुल, एजेंसी। काला सागर में तुर्किये के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। इस घटना के कुछ घंटों बाद तुर्किये ने शुक्रवार को युद्ध में शामिल सभी पक्षों को कड़ी चेतावनी दी है। तुर्किये ने कहा है कि सभी पक्ष ऐसे कदम उठाने से बचें जिससे तनाव अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से बढ़ जाए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वानुअतु के झंडे वाला एक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से सूखा माल लेकर तुर्किये आ रहा था। 28 मई की रात एक मानव रहित विमान (ड्रोन) ने इस जहाज पर हमला कर दिया। इस हमले में चालक दल के दो तुर्किये नागरिक मामूली रूप से घायल हुए हैं। ओडेसा में तुर्किये का दूतावास घायल नागरिकों की हालत पर लगातार नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि काला सागर में युद्ध की वजह से बढ़ते खतरों को लेकर वह बहुत चिंतित है। तुर्किये ने सभी संबंधित पक्षों को अपनी चिंताओं और चेतावनियों से अवगत करा दिया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि काला सागर में आम नागरिकों के जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। तुर्किये ने बातचीत के जरिए लड़ाई खत्म करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। तुर्किये ने यह भी कहा कि वह शांति प्रक्रिया को तेज करने और लड़ाई को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने को तैयार है। इसी बीच, रोमानिया से भी एक बड़ी खबर आई है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक रूसी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस गया। यह ड्रोन एक रिहायशी इमारत से टकरा गया, जिससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोमानियाई मंत्रालय के अनुसार, रूस ने रोमानिया की नदी सीमा के पास यूक्रेन के ठिकानों पर फिर से ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सुरक्षा को लेकर जोखिम बढ़ा दिया है। तुर्किये ने साफ किया है कि वह स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

अमेरिका में महंगाई दर 3.8% : पिछले तीन वर्ष में सबसे अधिक, खाने-पीने की बढ़ती कीमत से खर्च की क्षमता प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई (मुद्रास्फीति) दर अप्रैल में बढ़कर 3.8 फीसदी पहुंच गई। यह पिछले तीन वर्षों का सबसे उच्च स्तर है। यह वृद्धि ईंधन और खाने-पीने की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल के कारण हुई है। यह संकेत है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव अमेरिकी लोगों की भी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल में महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 3.8 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.5 प्रतिशत थी। यह मई 2023 के बाद का सबसे उच्च स्तर है। मासिक आधार पर कीमतों में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, हालांकि मार्च में यह बढ़ोतरी 0.7 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि गैस के अलावा कई अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ी हैं। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई लंबे समय तक बनी रह सकती है और इस साल होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। महंगाई अभी भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी तय लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसका अर्थ है कि फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती करने से बच सकता है। कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अगला कदम ब्याज दरों में कटौती की बजाय बढ़ोतरी भी हो सकता है।

कोई देश नहीं थोप सकता अपना वर्चस्व' :अमेरिका की चीन को दो टूक, पीट हेगसेथ ने भारत को बताया ताकतवर देश

सिंगापुर, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता है, जो उसे उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है। हेगसेथ ने सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद के दौरान प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत खास तौर से हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए हुए है। शांगरी-ला संवाद में बोलते हुए उन्होंने जिक्र किया कि भारत उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता का निर्माण भी कर रहा है। हेगसेथ ने कहा, 'हमने क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता जताई है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विनिर्माण के विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा-संबंधी संबंधों का भी आकलन किया। हेगसेथ ने क्षेत्र में अमेरिका की रक्षा रणनीति पर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र की सुरक्षा असंतुलित रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति पर टिकी हुई है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा में गंभीरता से निवेश करने का आह्वान किया।

बातचीत और बमबारी साथ-साथ: दशकों बाद इस्राइल-लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता, पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देइर कानौन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के साथ होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे।

लेबनान ने क्या मांग रखी : लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की

निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी : दक्षिणी लेबनान में योहमोर और जवतर अल-शर्कियेह गांवों के आसपास इस्राइली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाकों के बीच झड़पें जारी रहीं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने योहमोर के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। ये गांव ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले के पास स्थित हैं, जो इजरायल-लेबनान सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी मोर्चे का दौरा करते हुए कहा कि उनकी सेना लितानी नदी पार कर रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है और हिजबुल्लाह को करारा झटका दे रही है। उन्होंने कहा कि इस्राइल बेरूत, बेका घाटी और पूरे मोर्चे पर अभियान चला रहा है।

अमेरिका-ईरान में युद्धविराम को बढ़ाने पर चर्चा : इस बीच अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच गुरुवार को युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने को लेकर एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबर सामने आई। हालांकि ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक संभावित समझौते की बात कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे मंजूरी देंगे या नहीं।

हिजबुल्लाह सांसद ने क्या कहा : हिजबुल्लाह सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है तो लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुक सकती है। मार्च में शुरू हुए ताजा इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष में अब तक लेबनान में 3,200 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं पूर्व अमेरिकी मेयर: अदालत में कबूला गुनाह, 10 साल के लिए जाएंगी जेल!

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक चौंकाने वाली खबर आई है। अर्कांडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को बिना बताए चीन के एजेंट के रूप में काम किया। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है।

मंगेतर के साथ मिलकर चलाया प्रोपेगैंडा : संघीय वकीलों के मुताबिक यह पूरा मामला साल 2020 से 2022 के बीच का है। वांग और उनके तत्कालीन मंगेतर याओनिंग 'माइक' सन ने चीनी अधिकारियों के लिए काम किया। दोनों मिलकर 'यूएस न्यूज सेंटर' नाम की वेबसाइट चलाते थे। इस वेबसाइट के जरिए वे चीन का प्रचार करते थे। जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग को एक लिंक भेजा था। यह लॉस एंजेलिस टाइम्स में छपा एक पत्र था। इसमें शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों को झूठा बताया गया था। वांग ने कुछ ही मिनटों में इसे अपनी वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया था।

कार्रवाई में क्यों हुई देरी : एलीन वांग नवंबर 2022 में अर्कांडिया की सिटी काउंसिल में चुनी गई थीं। इसके बाद वे मेयर बनीं। जब उनके खिलाफ एफबीआई की जांच शुरू हुई, तो लोगों ने इस्तीफे की मांग की। लेकिन कार्यवाहक मेयर पॉल चेंग ने कहा कि उनके हाथ कानून से बंधे थे। शहर के नियमों के मुताबिक किसी को दोषी साबित होने से पहले पद से नहीं हटाया जा सकता था। एलीन वांग ने इस महीने की शुरुआत में खुद ही इस्तीफा दे दिया था। लॉस एंजेलिस की अदालत में जज वेस्ली हस्यू के सामने वांग ने अपना दोष स्वीकार किया। सुनवाई के दौरान एक चीनी दुभाषिया भी मौजूद था। वांग के वकीलों का कहना है कि उनका यह रिश्ता 2024 में खत्म हो चुका है। वांग ने कहा कि उन्होंने गलत इंसान पर भरोसा किया, जिसने उन्हें भटका दिया। उनके पूर्व मंगेतर माइक सन को पिछले साल अक्टूबर में ही चार साल की जेल हो चुकी है।

रूस ने आर्मेनिया को दी धमकी: कहा- ईयू से बढ़ाई नजदीकियां, तो झेलना होगा निलंबन; पुतिन ने दी यूक्रेन जैसी चेतावनी

मॉस्को, एजेंसी। रूस के नेतृत्व वाले आर्थिक संगठन ने आर्मेनिया को बड़ी चेतावनी दी है। संगठन ने कहा है कि वह आर्मेनिया को बाहर निकाल सकता है। दरअसल, आर्मेनिया अब यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होना चाहता है। रूस के गुट को आर्मेनिया की यह बात पसंद नहीं आ रही है। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक बड़ा सम्मेलन हुआ। इस बैठक में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के नेता शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने कहा कि आर्मेनिया के इस कदम से हमारी आर्थिक सुरक्षा को भारी खतरा है। इन चारों देशों के नेताओं ने अपने अधिकारियों को एक आदेश दिया है। अधिकारी दिसंबर में एक रिपोर्ट पेश करेंगे। इस रिपोर्ट में देखा जाएगा कि आर्मेनिया को हटाने से क्या असर पड़ेगा। इन नेताओं ने आर्मेनिया से अपने देश में जनमत संग्रह कराने को भी कहा है। वे चाहते हैं कि आर्मेनिया की जनता खुद चुने कि उन्हें यूरोपीय संघ में जाना है या रूस के आर्थिक गुट में रहना है। हालांकि, आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान इस मांग को पहले ही ठुकरा चुके हैं।

चुनाव से ठीक पहले बढ़ा विवाद : यह सारा विवाद आर्मेनिया के संसदीय चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ है। आर्मेनिया में सात जून को वोट डाले जाएंगे। निकोल पाशिन्यान साल 2018 से प्रधानमंत्री हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दशकों पुराना झगड़ा खत्म कराया था। इसके बाद से आर्मेनिया लगातार अमेरिका और यूरोपीय संघ के करीब जा रहा है। पाशिन्यान सरकार ने रूस के सैन्य संगठन में भी शामिल होना बंद कर दिया है। आर्मेनिया का पश्चिम की तरफ झुकाव रूस को नाराज कर रहा है।

पुतिन ने दी बड़ी आर्थिक तबाही की धमकी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्मेनिया को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक साथ दोनों संगठनों का हिस्सा नहीं रह सकता। पुतिन के मुताबिक, अगर आर्मेनिया इस गुट से बाहर गया तो उसे अपनी जीडीपी का 14 प्रतिशत नुकसान होगा। रूस ने आर्मेनिया पर दबाव बनाना भी शुरू कर दिया है। रूस ने आर्मेनिया की ब्रांडी, फलों और सब्जियों के आयात पर रोक लगा दी है।

अमेरिकी प्रतिबंधों पर ईरान का पलटवार, बोला- होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं पा सकेगा यूएस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान की नई समुद्री प्रबंधन संस्था फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने उस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। संस्था ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रखेगी और गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को आवाजाही की अनुमति देती रहेगी। पीजीएसए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका युद्ध और कूटनीति के जरिए जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल करने में विफल रहा, उसी तरह वह प्रतिबंध लगाकर भी अपने मकसद में सफल नहीं होगा। संस्था ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे उसके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दरअसल,

अमेरिका ने हाल ही में पीजीएसए पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि ईरान इस संस्था का इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों से कथित तौर पर अवैध शुल्क वसूलने और उससे मिलने वाली आय को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) तक पहुंचाने के लिए कर रहा है। अमेरिकी वित्त विभाग के अनुसार, पीजीएसए को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था। अमेरिका का दावा है कि यह संस्था आईआरजीसी और उसकी नौसेना के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर दबाव बनाने का काम कर रही है। इसी वजह से इसे अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की यह पहल दिखाती है कि अमेरिकी आर्थिक दबाव के कारण तेहरान को धन जुटाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के तेल निर्यात और उसके वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बनाए रखेगा। वहीं, पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि वह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में जहाजों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए काम करती रहेगी। संस्था ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने निगरानी क्षेत्र की सीमाएं भी तय की हैं और कहा है कि इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को उसके साथ समन्वय कर आवश्यक अनुमति लेनी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच इस मुद्दे पर बढ़ता टकराव अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार के लिए अहम माना जा रहा है।

शांगरी-ला डायलॉग: तकनीक से मजबूत होगा हिंद-प्रशांत क्षेत्र, भारत ने डाला प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रकाश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत ने शांगरी-ला संवाद 2026 के दौरान उच्च स्तरीय राजनयिक प्रयासों और अकादमिक सहभागिता के जरिये एक स्थिर व सुरक्षित हिंद-प्रशांत बनाने की बात कही है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा संरचना की मजबूती, रक्षा औद्योगिक सहयोग तथा उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर अग्रणी थिंक टैंक व शिक्षाविदों से भारतीय रक्षा कूटनीति पर प्रकाश डाला।

रक्षा सचिव ने एक स्थिर, सुरक्षित और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए भारत की रक्षा कूटनीति विषय पर क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहभागिता के लिए भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। पोस्ट के अनुसार, इस चर्चा में सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले भी उपस्थित थीं, जो इस चर्चा के राजनयिक महत्व को रेखांकित करती है। बातचीत का मुख्य जोर सैन्य-से-सैन्य सहयोग मजबूत करने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर रहा। इस बीच, अमेरिकी रक्षा (युद्ध) मंत्री पीट हेगसेथ ने मुख्य भाषण से पहले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीतिक हितों की रक्षा के दूरदर्शी दृष्टिकोण की रूपरेखा स्पष्ट की। उनकी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की यह चौथी यात्रा है।

रणनीतिक जुड़ाव की जरूरत पर जोर : भारत-अमेरिका ने शांगरी-ला संवाद में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा-सुरक्षा सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने नाटो सैन्य समिति के अध्यक्ष, नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ भी बातचीत की। इस दौरान, रक्षा सचिव राजेश सिंह ने अमेरिका के इंडोपेकॉम के कमांडर, एडमिरल सैमुअल जे. पपरो के साथ चर्चा की। उन्होंने नाटो के साथ निरंतर रणनीतिक जुड़ाव बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

सुरक्षा चुनौतियों में बदलावों पर चर्चा : रक्षा सचिव ने नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ वैश्विक-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजेश सिंह की वार्ता का केंद्र रणनीतिक संवाद बढ़ाने और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर विचारों का आदान-प्रदान करना था। उन्होंने प्रमुख बहुपक्षीय रक्षा संगठनों के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखना जरूरी बताया। दोनों पक्षों ने उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों से भी चर्चा की।

राजनयिक संबंध गहरे करेंगे: ऑस्ट्रेलिया : संवाद के दौरान ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने कहा, हम सहयोग को मजबूत करने के लिए राजनयिक और रक्षा संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह शांगरी-ला संवाद एशिया का प्रमुख रक्षा-सुरक्षा शिखर सम्मेलन माना जाता है, जहां एशिया-प्रशांत, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के रक्षा मंत्रियों, सैन्य प्रमुखों, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों को क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए जुटते हैं।

ट्रंप-शी मुलाकात के बाद बढ़ा तनाव: अमेरिकी पत्रकार को चीन ने देश से निकाला, अब रूस ने ऐसे लिया बदला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच विवाद बहुत ज्यादा बढ़ गया है। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के ठीक बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के पत्रकारों पर कार्रवाई की है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में काम कर रहे चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के एक पत्रकार का वीजा रद्द कर दिया है।

अमेरिका ने यह कदम चीन के फैसले के जवाब में उठाया है। दरअसल, चीन ने कुछ दिनों पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की महिला पत्रकार विवियन वांग को अपने देश से निकाल दिया था। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर वीजा रद्द होने की पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी माना कि सरकार की ऐसी योजना थी।

ताइवान के मुद्दे पर चीन का गुस्सा : इस पूरे विवाद की असली वजह ताइवान से जुड़ा एक कार्यक्रम है। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के 'डीलबुक समिट 2025' में ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का एक रिकॉर्डेड इंटरव्यू दिखाया गया था। इस शो के होस्ट एंड्रयू रॉस सोर्किन थे। सोर्किन ने इंटरव्यू के दौरान ताइवान को एक देश कह दिया था। इस बातचीत में लाई चिंग-ते ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के आक्रामक रवैये की आलोचना की थी। उन्होंने अपने देश की रक्षा करने का संकल्प भी लिया था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। इसी नाराजगी में

चीन ने पत्रकार विवियन वांग को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे कार्यक्रम में विवियन वांग की कोई भूमिका नहीं थी।

चीन में मिली थी सीधे टकराव की चेतावनी : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य मई में राष्ट्रपति ट्रंप ने बीजिंग का दौरा किया था। उस शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के बीच सीधा टकराव हो सकता है।

चीन में लगातार सिमट रहा है विदेशी मीडिया : विदेशी पत्रकारों के संघ के अनुसार, साल 2020 से ही दोनों देशों के बीच पत्रकारों को लेकर खींचतान चल रही है। चीन लगातार अमेरिकी पत्रकारों के वीजा की अवधि घटा रहा है। अब उन्हें केवल एक से तीन महीने का वीजा मिल रहा है। इसके चलते चीन में अमेरिकी मीडिया घरानों के दफ्तरों में अब नाम मात्र के कर्मचारी बचे हैं। चीन के इस सख्त रवैये से अब दूसरे पश्चिमी मीडिया संगठन भी डरे हुए हैं। उन्हें डर है कि ताइवान के नेताओं का इंटरव्यू करने पर उन्हें भी चीन से बाहर निकाला जा सकता है।

ईरान से डील को लेकर दुविधा में ट्रंप: परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है।

इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बैठक की जानकारी दी। उन्होंने समाचार एजेंसी एपी को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप अपनी शर्तों पर ही समझौता करेंगे। वह ईरान के परमाणु मंसूबों को रोकना चाहते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि ईरान को यह मानना होगा कि वह कभी परमाणु बम नहीं बनाएगा। ईरान के पास अभी 440.9 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है। यह 60 प्रतिशत तक शुद्ध है। परमाणु हथियार बनाने के लिए 90 प्रतिशत शुद्धता चाहिए होती है। ट्रंप चाहते हैं कि इस सामग्री को जमीन से खोदकर निकाला जाए। फिर इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए।

होर्मुज जलमार्ग का संकट : नए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलना सबसे बड़ी शर्त है। यह दुनिया का एक

बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। ईरान को 30 दिनों के भीतर यहां से सभी समुद्री बारूदी सुरंगे हटानी होंगी। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टैक्स नहीं लगा पाएगा। इसके बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिका प्रतिबंधों में भी ढील देगा ताकि ईरान अपना तेल बेच सके। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक अचानक हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता और अन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इस रास्ते को बंद कर दिया था। पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा जहाज़ निकलते थे। अब सिर्फ दो दर्जन जहाज ही निकल पाते हैं। ईरान ने यहां टैक्स वसूलने के लिए एक नई एजेंसी बनाई है। इस वजह से अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने ओमान को भी इस मामले में दूर रहने की चेतावनी दी है।

दोनों पक्षों में अविश्वास : ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने अमेरिका पर भरोसा करने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम बातचीत से नहीं बल्कि मिसाइलों से रियायतें हासिल करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि उनका ध्यान अभी सिर्फ युद्ध खत्म करने पर है। वे परमाणु योजना पर बात नहीं कर रहे हैं। ईरान चाहता है कि लेबनान में हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच भी लड़ाई रुके। इसके साथ ही ईरान अपनी फ्रीज की गई अरबों डॉलर की रकम भी वापस चाहता है। ईरान की संसद के एक वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा कि हम कैश के बदले कैश की नीति पर ही काम करेंगे। फिलहाल दोनों देशों के बीच सात हफ्तों से युद्धविराम जारी है। दोनों तरफ से छोटे-मोटे हमले और आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। लेकिन फिर भी दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बने हुए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)